

CHOICE OF MILLIONS®
SHERKOTTI
HARDWARE & PAINT TOOLS
www.charminarbrush.com

SANDING TROWEL

9440297101

BEST SELLER

वर्ष-31 अंक : 205 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आश्विन पूर्णिमा 2083 सोमवार, 26 अक्टूबर-2026**

किस ख्याली दुनिया में जी रहे फारूक अब्दुल्ला ?

पूर्व सीएम के कश्मीर बयान पर भड़के मौलाना, पूछा- पाकिस्तान क्या कर लेगा ? नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम और नेशनल काँग्रेस के मुखिया फारूक अब्दुल्ला ने कश्मीर का मुद्दा उठाते हुए कहा है कि हमारे पड़ोसी देश को देखो वह हर जगह कश्मीर का मुद्दा उठा रहा है। वरना हमारी सरकार की नीयत ठीक नहीं है। अब फारूक अब्दुल्ला के इस बयान पर इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के प्रमुख मौलाना खालीद रशीद फिरंगी और मौलाना सैफ अब्बास ने पलटवार किया है। मौलाना सैफ अब्बास ने कहा, फारूक अब्दुल्ला कह रहे हैं, कि दिल्ली से हमें कोई उम्मीद नहीं है, हमारा तो पाकिस्तान ही है। उन्होंने फारूक अब्दुल्ला को दो टूक जवाब देते हुए कहा, जिस तरीके से पूर्व सीएम ने कहा है कि दिल्ली से कोई उम्मीद नहीं है, वह पूरी तरह गलत है। दिल्ली से उन्हें किस बात की उम्मीद नहीं है? अगर वे कहते हैं कि उनकी सुरक्षा पाकिस्तान करेगा तो मैं समझता हूँ कि पता नहीं वे किस ख्याली दुनिया में हैं। ‘उम्मीद थी कि पूरा कश्मीर हमें मिल जाएगा’ मौलाना ने कहा, अगर फारूक अब्दुल्ला कहते कि हमें दिल्ली से उम्मीद थी कि ऑपरेशन ‘सिंदूर’ के समय कश्मीर मिल जाएगा, जिस पर पाकिस्तान में कब्जा कर रखा है। तो यह बात समझ में आ सकती है। उन्होंने कहा, देश में हर किसी को यही उम्मीद है कि पाकिस्तान जो है वह हमें जो पाकिस्तान के अंदर हमारे कश्मीर का हिस्सा है, वह निश्चित रूप से मिलेगा और, अखंड भारत का सपना पूरा होगा।’ ‘वोट बैंक की राजनीति कर रहे अब्दुल्ला’ उन्होंने फारूक अब्दुल्ला पर सिपासी बयान देने का आरोप लगाते हुए कहा, ‘वह कश्मीर में राजनीति कर रहे हैं और वह वोट बैंक की राजनीति को लेकर इस तरह से बयान दे रहे हैं। मैं समझता हूँ कि जो पाकिस्तान दर-दर जाकर अपने लिए खुद सुरक्षा का जरिया ढूंढ रहा है और सुरक्षा के बारे में सोच रहा है, वह हमारा क्या कर सकता है? मैं समझता हूँ कि अगर हिंदुस्तान आज चाह ले तो पूरा कश्मीर हमारे पास होगा। मौलाना सैफ अब्बास ने फारूक अब्दुल्ला पर तंज कसते हुए कहा, यह बयान उनके उग्र का तकाजा है। मौलाना खालीद रशीद भी सुनाया वहीं इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के प्रमुख मौलाना खालीद रशीद फिरंगी ने कहा, इसमें मैं भी शक नहीं है कि जम्मू, कश्मीर भारत का एक अभिन्न अंग है और इस पूरे क्षेत्र की सुरक्षा हमारी सुरक्षा बलों ने हमेशा सुनिश्चित की है। यही वजह है कि बड़ी संख्या में सुरक्षा बल हमेशा वहां तैनात रहते हैं, जिनमें सेना भी है, सीआरपीएफ भी है।

जयशंकर की दो टूक युद्ध नहीं बातचीत से निकलेगा शांति का रास्ता



नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आतंकवाद और दुनिया में चल रहे दो बड़े संघर्षों को लेकर कड़ा संदेश दिया है। दिल्ली में आयोजित ‘चिन्मय अमृत महोत्सव ग्लोबल सम्मेलन’ में उन्होंने कहा कि आतंकवाद शांति के लिए बड़ा खतरा है और इसे किसी भी हाल में राज्य की नीति का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता। दुनिया के सभी देशों को आतंकवाद के हर रूप के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि

28 हजार करोड़ के साइबर फ्रॉड केस में वकील गिरफ्तार

ईडी ने मुंबई एयरपोर्ट पर पकड़ा; अब तक 7 गिरफ्तार, 20 राज्यों में फैला नेटवर्क मुंबई/पणजी, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने देशभर में फैले साइबर फ्रॉड और डिजिटल अरेस्ट के मामले में मुंबई एयरपोर्ट से एक वकील को गिरफ्तार किया। एजेंसी के मुताबिक, इस नेटवर्क से करीब 28 हजार करोड़ के बैंकिंग लेन-देन जुड़े हैं। मामले में अब तक 7 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। गिरफ्तार वकील की पहचान रणेश उपाध्याय उर्फ रणेश शाह के रूप में हुई है। ईडी की पणजी यूनिट की टीम ने उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर उस समय पकड़ा, जब वे दिल्ली जाने वाली फ्लाइट में सवार होने वाले थे। कस्टम्स और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के अधिकारियों ने इस कार्रवाई में मदद की। आरोपी को पणजी ले जाया गया, जहां विशेष पीएमएलए कोर्ट ने उन्हें 29 अक्टूबर तक ईडी की हिरासत में भेज दिया। ईडी के मुताबिक, गोवा पुलिस ने 9 जून 2025 को इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी। आरोप है कि साइबर ठगों ने एक महिला को डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाया और 21 मई से 2 जून 2025 के बीच उससे 2.60 करोड़ अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर करा लिए। ईडी ने कोर्ट में आरोप लगाया कि उपाध्याय इस नेटवर्क की अहम कड़ी थे। एजेंसी का दावा है कि पुलिस की शिकायतों के बाद जब नेटवर्क से जुड़े बैंक खाते फ्रीज किए जाते थे, तो आरोपी संबंधित एजेंसियों के अधिकारियों को रिश्त देकर खाते दोबारा खुलवाने में मदद करते थे। रिश्तत की रकम ‘आंगड़िया’ नेटवर्क के जरिए पहुंचाई जाती थी। यह नेटवर्क नकदी के लेन-देन का काम करता है। ईडी के अनुसार, गोवा की महिला से उगी गई रकम कमोडिटी, ट्रेवल और विदेशी मुद्रा कारोबार से जुड़ी कंपनियों के करीब 400 म्यूल खातों में जमा की गई। इन कंपनियों को फजी निदेशकों के जरिए चलाया जा रहा था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र

वार्ता

epaper.vaartha.com

Vaartha Hindi

@Vaartha_Hindi

Vaartha official

www.hindi.vaartha.com

त्योहारों पर स्थानीय कारीगरों से सामान खरीदें : पीएम मोदी

आज बिहार का मखाना ग्रीस पहुंच रहा, ‘मन की बात’ के 12 साल पूरे

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने त्योहारों के अवसर पर लोगों से स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पादों को खरीदने का आग्रह किया। उन्होंने ‘मन की बात’ के 139वें एपिसोड में कहा कि इससे कारीगरों का उत्साह बढ़ेगा। पीएम ने कहा कि भारत के स्थानीय उत्पादों की वैश्विक मांग बढ़ रही है। बिहार के पूर्णिया का मखाना अब ग्रीस और कर्नाटक के कलबुर्गी की अरहर दाल मालदीव पहुंच रही है, जिससे देश के किसानों के लिए दुनिया भर में नए अवसर खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 12 साल पहले चित्रयादशमी के पावन पर्व पर इस कार्यक्रम की शुरुआत हुई थी और यह यात्रा उनके लिए देशवासियों को करीब से जानने व समझने की एक तीर्थ यात्रा के समान है। पीएम बोले- खादी की बिक्री में 28

करोड़ पहुंची स्वतंत्रता सेनानी परमानंद जी की 150वीं जयंती: पीएम ने कहा कि 4 नवंबर को महान स्वतंत्रता सेनानी भाई परमानंद जी की 150वीं जयंती है। आर्य समाज और गदर पार्टी से जुड़े भाई परमानंद जी ने दक्षिण अफ्रीका व गुयाना में कार्य किया और आजादी की लड़ाई में काला पानी की सजा काटी। पीएम मोदी ने कहा- परमानंद जी ने भगत सिंह को भी पढ़ाया था। अंगदान की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका: मोदी ने कहा जो लोग अपने जीवन के बाद अंगदान करके जाते हैं। ऐसा ही एक उदाहरण मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम की

शिवानी जी का सामने आया है। शिवानी जी एक सड़क दुर्घटना की शिकार हो गई थीं। इसके बावजूद उनके परिवार ने अंगदान का फैसला लिया। यह समाज और देश में एक बड़ा संदेश गया है। खादी की बिक्री में 28 करोड़

पहुंची: मोदी ने कहा कि गांधी जयंती के अवसर पर केवल एक ही दिन में खादी प्रामोद्योग के उत्पादों की बिक्री 28 करोड़ रुपए से अधिक दर्ज की गई, जो पिछले साल की तुलना में भी करीब डेढ़ करोड़ रुपये ज्यादा है। देशभर में लगभग 1 लाख 90 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में मदद कर रहे हैं। देशभर में लगभग 1 लाख 90 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर: पीएम ने कहा कि एक समय था जब डॉक्टर को

अरुणाचल में एनएचपीसी ऑफिस-थाने में आग लगाई

बौजपी अध्यक्ष के घर में तोड़फोड़, कई पुलिसकर्मी घायल ईटानगर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश में 11,200 मेगावाट के प्रस्तावित सियांग प्रोजेक्ट के विरोध में शुक्रवार रात हिंसा भड़क गई। भीड़ ने एनएचपीसी ऑफिस और पुलिस स्टेशन में आग लगा दी। सात-आठ पुलिस वाहन भी जला दिए गए। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष कलिंग मोयोंग और विधायकों के घरों में तोड़फोड़ की। पथराव में डीएसपी समेत कई पुलिसकर्मी घायल हुए। प्रस्तावित बांध का मकसद चीन से आने वाले पानी को नियंत्रित करना और बाढ़ का खतरा कम करना है। सियांग, अपर सियांग और पूबी सियांग जिलों में शुक्रवार को 12 घंटे का बंद बुलाया गया था। अधिकारियों के मुताबिक, बंद के दौरान सियांग जिले में करीब 150 से 200 प्रदर्शनकारियों ने पुलिस वाहनों में तोड़फोड़ और बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों के पास कथित तौर पर दाओ, लाठियां और गुल्लक थीं। उन्होंने पुलिस पर पथराव किया, जिसके बाद सुरक्षाबलों ने आंसू गैस के गोले छोड़े। मेबो में रनाघाट ब्रिज के पास भी पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई।

केंद्र को दवा कंपनियों से 8,447 करोड़ वसूलना बाकी

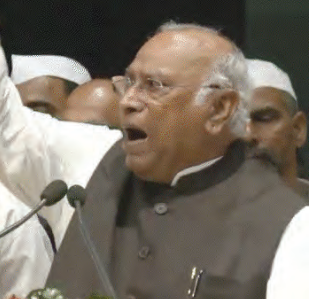
महंगी दवाएं बेचने पर 10 हजार करोड़ वसूली का आदेश था, अब तक 1,582 करोड़ ही मिले नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने महंगी दवा बेचने वाली कंपनियों पर 10,029.8 करोड़ का जुर्माना लगाया है। लेकिन अभी तक सिर्फ 1,582.4 करोड़ की ही रिकवरी हुई है, 8,447.4 करोड़ वसूलना बाकी है। दरअसल, राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने जरूरत से ज्यादा कीमत पर दवा बेचने वाली कंपनियों पर ये जुर्माना लगाया था। एनपीपीए दवाओं की कीमतों पर नजर रखने वाली सरकारी संस्था है। 8,447.4 करोड़ में से 5,800 करोड़ कानूनी विवादों में फंसे हैं। करीब 200 करोड़ रुपए की वसूली के मामले जिलाधिकारियों को भेजे गए हैं। वहीं, 2,369.3 करोड़ की वसूली की प्रक्रिया जारी है। ग्रामीण क्षेत्रों में कुल इलाज के खर्च का 19% हिस्सा दवाओं पर खर्च होता है।

>14 जामिया में आंदोलन से बढ़ा तनाव पुलिस हिरासत में कई छात्र

ऑनलाइन कक्षाओं के बहिष्कार का एलान नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के गेट नंबर चार और सात के बाहर पुलिस तैनात है। जिस स्थान पर छात्र भूख हड़ताल पर बैठे हैं, वहां फिलहाल शांति है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने गेट बंद रखने के निर्देश दिए हैं, जिसके चलते किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं है। इस कारण बार-बार हंगामे जैसी स्थिति बन रही है। वहीं अंदर जाने की जिद करने वाले कुछ छात्रों को पुलिस ने हिरासत में भी लिया है। विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी और कैटीन समेत अन्य सुविधाएं भी बंद कर दी गई हैं। वहीं, सोमवार से ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की जाएंगी। जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में छात्रों का आंदोलन जारी है। भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों ने आरोप लगाया है कि उन्हें पानी नहीं मिल रहा है। छात्रों ने एक बार फिर विश्वविद्यालय प्रशासन को अपना प्रस्ताव भेजा है। वहीं, छात्राओं को मौखिक रूप से हॉस्टल खाली करने के निर्देश दिए जाने का आरोप है। सोमवार से शुरू होगे वाली ऑनलाइन कक्षाओं का भी छात्रों ने बहिष्कार करने का फैसला किया है। इस संबंध में छात्रों ने कुलपति को पत्र लिखकर अपनी बात रखी है। जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में छात्र संघ बहाली और चुनाव की मांग को लेकर जारी आंदोलन के समर्थन में डेमोक्रेटिक टीचर्स इनिशिएटिव (डीटीआई) ने बयान जारी किया है। संगठन ने प्रदर्शनकारी छात्रों पर कार्रवाई की निंदा करते हुए छात्र संघ चुनाव जल्द कराने और प्रदर्शनकारियों पर लगाए गए दंड वापस लेने की मांग की है। डीटीआई के अनुसार, छात्र पिछले दो सप्ताह से भूख हड़ताल पर हैं। प्रशासन ने छात्र संघ का संविधान तैयार करने के लिए समिति गठित की है, लेकिन चुनाव की समयसीमा स्पष्ट नहीं की है। संगठन ने आरोप लगाया कि 24 अक्तूबर को शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के कुछ लोगों ने छात्रों की एकजुटता तोड़ने के लिए शारीरिक बल का इस्तेमाल किया। इसके बाद विश्वविद्यालय के परिसर बंद कर कक्षाएं ऑनलाइन कर दी गईं।

खरगो के कार्यक्रम में हंगामा युवक बोला- मोदी कहीं नहीं जाएंगे, कांग्रेस अध्यक्ष ने दिया आपत्तिजनक बयान

पटना , 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगो ने बिहार केशरी डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने श्रीकृष्ण सिंह को बिहार में लोकतंत्र की नींव मजबूत करने वाला अग्रणी नेता बताया। खड़गो ने कहा कि श्री बाबू ने जमींदारी प्रथा समाप्त कर और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए काम करके सामाजिक न्याय के नए अध्याय की शुरुआत की। खरगो के संबोधन के दौरान हंगामा हो गया। कार्यक्रम में मौजूद एक व्यक्ति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहीं नहीं जाएंगे। इस पर खरगो ने जवाब दिया कि मोदी का बाप भी जाएगा। खरगो ने कहा कि बिहार लोकतंत्र की जन्मभूमि के रूप में पहचाना जाता है। इस पवित्र परती पर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने के लिए उन्होंने आयोजन समिति का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पूरा देश श्री बाबू को याद करता है। बिहार में कांग्रेस सरकारों के इतिहास का उल्लेख करते हुए खरगो ने कहा कि 1937 में श्रीकृष्ण सिंह के नेतृत्व में पहली कांग्रेस सरकार बनी थी। इसके बाद 1947 में दूसरी सरकार स्थापित हुई। उन्होंने बताया कि ब्रिटिश शासन के दौरान मुख्यमंत्री को ‘प्रीमियर’ कहा जाता था। भारतीय संविधान के तहत 1952 में हुए पहले विधानसभा चुनाव के बाद श्री



बाबू 3 जनवरी 1961 तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे। आरएसएस को लेकर क्या बोले ? कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगो ने आरएसएस और भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर आज आरएसएस की बात की जाए तो लोग इसका अलग-अलग अर्थ निकाल सकते हैं। लेकिन, आपको निशाना इसलिए बनाया जा रहा है, क्योंकि आप अपनी स्थापना के समय से ही इसी गतिविधि में लगे हुए हैं। खरगो ने कहा, इस देश में जब तक आरएसएस की विचारधारा बनी रहेगी, तब तक शांति नहीं होगी। उन्होंने एसआईआर के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन का समर्थन करने की बिहार की जनता से अपील करते हुए कहा, यह आजादी की दूसरी लड़ाई है।

एसआईआर सॉफ्टवेयर की जानकारी देने से चुनाव आयोग का इनकार

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के दौरान वॉटर लिस्ट में गड़बड़ियां पहचानने के लिए इस्तेमाल किए गए सॉफ्टवेयर की जानकारी देने से इनकार कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, आयोग ने आरटीआई के जवाब में कहा- यह जानकारी ट्रेंड सीक्रेट और इंटरलेक्चअल प्रॉपर्टी से जुड़ी है। इसे सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। आयोग ने यह भी साफ नहीं किया कि वॉटर लिस्ट में गड़बड़ियां पहचानने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या मशीन लर्निंग का इस्तेमाल किया गया था या नहीं।

प्रधान संपादक - डॉ. गिरীश कुमार संधी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

38 ठिकानों पर छापे, 100 करोड़ का जखीरा और 1424 बैंक खाते फ्रीज

क्या है ऑपरेशन ट्राइडेंट जिसकी अमित शाह जमकर कर रहे तारीफ नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' के जरिए नशीले पदार्थों के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। एजेंसियों ने 3 राज्यों में छापेमारी करते हुए एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्कर गिरोह का पर्दाफाश किया और 18 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि ऑपरेशन ट्राइडेंट से 100 करोड़ रुपए के हवाला लेनदेन का खुलासा हुआ और 1,424 बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया। अधिकारियों ने 17.82 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की, 500 डेटोनेटर और 12 लाख रुपए नकद बरामद किए। इस मामले में 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया। अमित शाह ने आगे कहा कि यह नेटवर्क 'डेथ ट्रायंगल कॉरिडोर' के जरिए भारत, म्यांमार और बांग्लादेश की सीमाओं से नशीले पदार्थों की तस्करी करता था। एक साथ 3 राज्यों में छापेमारी मोदी सरकार ने 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' के जरिए नशीले पदार्थों के खिलाफ एक और जोरदार प्रहार किया है। 23 अक्टूबर को एजेंसियों ने असम, मिजोरम और मणिपुर में 38 जगहों पर एक साथ छापेमारी की और एक अंतरराष्ट्रीय नाकों-कार्टेल को ध्वस्त कर दिया। गृह मंत्री ने आगे कहा कि यह कार्रवाई 31 दिसंबर 2029 तक नशीले पदार्थों के हर नेटवर्क को खत्म करने के भारत के दृढ़ संकल्प को दर्शाती है। उन्होंने कहा, 'भारत तब तक प्रहार करता रहेगा, जब तक कि नाकों-कार्टेल का पूरी तरह से ख़ात्मा नहीं हो जाता। इस संयुक्त अभियान में शामिल केंद्रीय एजेंसियों और तीनों राज्यों की पुलिस बलों की टीमों को बधाई।' 2029 तक का रखा है लक्ष्य बता दें कि नक्सलवाद के खात्मे के बाद केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार नशीले पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। सरकार का 31 दिसंबर 2029 तक देश को ड्रग्स की समस्या से पूरी तरह मुक्त करने का लक्ष्य है। 21 अक्टूबर को नई दिल्ली में 'पुलिस स्मृति दिवस' मौके पर बोलते हुए गृह मंत्री शाह ने घोषणा की कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने तय किया है कि अगले साढ़े तीन साल (2027, 2028 व 2029) के दौरान नशीले पदार्थों (ड्रग्स) के खिलाफ एक संयुक्त लड़ाई जाएगी।

बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवाती तूफान

तमिलनाडु-पुडुचेरी में तेज बारिश; ओडिशा के 5 जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में बना तो प्रेशर एरिया रविवार को चक्रवाती तूफान में बदल गया है। इसे अनर्न नाम दिया गया है। इसके असर से ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी में भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, चक्रवाती तूफान 28 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश के तट से टकरा सकता है। इस दौरान हवा की रफ्तार 115 से 125 किमी प्रति घंटा तक पहुंचने का अनुमान है। आंध्र प्रदेश में 26 से 29 अक्टूबर तक भारी बारिश का अनुमान है। ओडिशा के गंजाम, गजपति, रायगढ़ा, कोरापुट और मलकानगिरी जिले में 28 और 29 अक्टूबर को सभी स्कूल-कॉलेज और आंगनवाड़ी केंद्र बंद करने के आदेश दिए गए हैं।

Bikanervala
Since 1905
Shubh Diwali

FOR DEEPAWALI BULK ORDER CONTACT

Banjara Hills	Hyderguda	Kondapur	Aaramghar
# Road No. 1, Banjara Hills, Hyd. Tel : 9160016803	# Near Commissioner Office, Basheerbagh, Hyderabad Tel : 044-6556 1111, 9160018970, 9160018962	# Western Pearl Building Hyderabad. Tel : 9160016830	# Rajender Nagar katedan, Hyderabad. Tel : 9160041111, 9160016838

www.bikanervala.com, Email : Hyderabad@bikanervala.com



28 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश के तट पर अत्यंत गंभीर चक्रवाती तूफान आने की संभावना से दहशत

विशाखापत्तनम, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्वी-मध्य और उससे सटे दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव 28 अक्टूबर को एक अत्यंत गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने और बापटला और विशाखापत्तनम के बीच आंध्र प्रदेश के तट को पार करने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा रविवार सुबह जारी बुलेटिन के अनुसार, निम्न दबाव का क्षेत्र पिछले छह घंटों में 5 किमी प्रति घंटे की गति से दक्षिण-पूर्व की ओर बढ़ा और सुबह 5:30 बजे उसी क्षेत्र में केंद्रित था, जो श्री विजयपुरम (अंडमान द्वीप समूह) से लगभग 440 किमी उत्तर-उत्तर-पश्चिम में, विशाखापत्तनम से 880 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व में, काकीनाडा से 980 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व में, मछलीपटनम से 1080 किमी पूर्व में और बापटला से 1150 किमी पूर्व में स्थित है।

रविवार को इसके दक्षिण की ओर बढ़ने, गहरे दबाव में बदलने के अनुर फिर धीरे-धीरे पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर मुड़कर पूर्वी मध्य और उससे सटे दक्षिण-पूर्वी बंगाल की



खाड़ी में प्रवेश करने की प्रबल संभावना है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए, 26 अक्टूबर की सुबह तक पूर्वी मध्य और उससे सटे पश्चिमी मध्य बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान में और तीव्र होकर 27 अक्टूबर की सुबह पश्चिमी मध्य बंगाल की खाड़ी में गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की प्रबल संभावना है।

इसके बाद, इसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने, और अधिक तीव्र होकर एक भयंकर चक्रवाती तूफान में परिवर्तित होने की पूरी

संभावना है, और यह 28 अक्टूबर की सुबह के आसपास आंध्र प्रदेश तट के निकट पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी में पहुंचेगा। 28 अक्टूबर की दोपहर तक, बापटला और विशाखापत्तनम के बीच आंध्र प्रदेश और यानम के तटों को पार करते हुए, इसकी अधिकतम निरंतर हवा की गति 115-125 किमी प्रति घंटा और 140 किमी प्रति घंटा तक पहुंचने की पूरी संभावना है।

आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने लोगों को अत्यधिक सतर्क रहने की सलाह दी है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने मुख्य

500 रुपये में 5 ग्राम गांजे का पैकेट पकड़े

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के फतेह नगर इलाके में 75 साल की एक बुजुर्ग महिला 500 रुपये में 5 ग्राम गांजा बेच रही थी। वह हर दिन लगभग 200 ग्राहकों को गांजा बेचती थी। यह बुजुर्ग महिला पिछले दो दशकों से सफलतापूर्वक गांजा बेचने का काम कर रही थी। पुलिस को इस बारे में जानकारी मिली कि फतेह नगर के लाल बहादुर शास्त्री नगर में रहने वाली जितिन बी (75 वर्ष) गांजा बेच रही है। इस सूचना पर, पुलिस ने रात जितिन बी के घर पर नजर रखी।

उन्होंने देखा कि लोग लगातार उसके घर आ-जा रहे थे। पुलिस ने जितिन बी को तब गिरफ्तार किया जब वह घर के अंदर गई थी, ताकि किसी

और को शक न हो। वह लोगों को एक तरफ ले जाकर गांजे का सौदा करती थी। दो घंटे के भीतर, 70 लोगों को वहां से गांजा लेते हुए पकड़ा गया।

जितिन बी ने बताया कि वह 500 रुपये में 5 ग्राम गांजे का पैकेट बेचती थी। पकड़े गए 70 लोगों का ड्रग टेस्ट किया गया, जिसमें से 66 लोग पॉजिटिव पाए गए और उनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए। पकड़े गए लोगों में दो नाबालिग भी शामिल थे। पुलिस ने जितिन बी के घर से लगभग 180 ग्राम गांजा बरामद किया। जितिन बी ने कबूल किया कि वह दो साल से यह काम कर रही है और हर दिन लगभग 200 लोग उससे गांजा खरीदते हैं।

हम गरीबों के लिए सभी कार्यक्रम लागू कर रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिन किसानों ने पहली फसल उगाई है, उन्हें हर तरह से सहयोग दिया जाएगा।

उन्होंने संबंधित भाजपा सांसदों से कहा कि वे राज्य की स्थिति पर ध्यान दें। उन्होंने भाजपा सांसदों से आग्रह किया कि वे केंद्र सरकार पर दबाव डालें ताकि तेलंगाना राज्य का वक़ायफ़ डंड जल्द से जल्द जारी हो सके। इस मौके पर मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने किसानों से यह भी कहा कि वे सरकार को अपने सुझाव दें।

हैदराबाद में दुर्गा की शोभायात्रा के दौरान फैली अफवाह ने तनाव पैदा कर दिया

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रात को शरारती तत्वों द्वारा दुर्गा पूजा जुलूस पर अंडे फेंके जाने के बाद हैदराबाद के मदनपेट इलाके में तनाव का माहौल छा गया। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) किरण खरे, अतिरिक्त डीसीपी मजीद, सैदाबाद के सहायक पुलिस आयुक्त (एसपीपी) श्याम सुंदर, एसपी वेंकट रेड्डी और मदनपेट स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) के चंद्र शेखर सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी स्थिति का आकलन करने और चिंताओं को दूर करने के लिए मौके पर पहुंचे।

“लगभग रात 2 बजे हमें सूचना मिली कि संतोष होटल के पास से गुजर रहे जुलूस पर कुछ लोगों ने अंडे फेंके। हमने जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा कर रहे हैं। अब तक दो लोगों को हिरासत में लिया गया



है," पुलिस ने बताया। मौके पर पहुंचने के बाद पुलिस ने जनता से अपील की कि वे अपुष्ट खबरों पर विश्वास न करें और उनकी प्रामाणिकता की जांच किए बिना जानकारी न फैलाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि झूठी अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ मामले दर्ज किए जाएंगे और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने निवासियों से शांति बनाए रखने और अधिकारियों के साथ सहयोग करने का भी आग्रह किया।

शादी की मांग को लेकर वीडियो कॉल करने के बाद युवती ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शादी की मांग को लेकर वीडियो कॉल करने के बाद एक युवती ने आत्महत्या कर ली। यह घटना माधुपुर पुलिस थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश की रहने वाली अर्चना चौधरी मलिक, जो एसआर सदूर रेजीडेसी, टांडा में रहती थीं, ने आत्महत्या कर ली। वह पिछले चार वर्षों से उत्तराखंड के रहने वाले भंडारी विमल को जानती थीं और दोनों साथ काम करते थे।

विगत रात विमल अपनी मां के साथ चेर्याला में एक कार्यक्रम में गए थे। रात करीब 2:30 बजे अर्चना

विवाह के नाम पर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी..

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शादी के नाम पर एक महिला को धोखा देकर उससे बड़ी रकम ऐंठने का मामला सामने आया है। यह घटना मदिपल्ली पुलिस थाना क्षेत्र की है। एक महिला की मुलाकात मैट्रिमोनी वेबसाइट के जरिए एक व्यक्ति से हुई, जिसने उससे शादी करने का वादा किया था। आरोप है कि उस व्यक्ति ने महिला से 1.18 करोड़ रुपये ऐंठ लिए। इतना ही नहीं, उसने महिला की निजी तस्वीरें लीक करने से डराया। इन धमकियों से घबराकर महिला ने उसे 4 लाख रुपये और दे दिए। प्रदीप के बतारे से तंग आकर आखिरकार महिला ने मदिपल्ली पुलिस से संपर्क किया।

पंडिता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और प्रदीप को गिरफ्तार कर लिया। बाद में पुलिस ने बताया कि उसे रिमांड पर भेज दिया गया है। मैट्रिमोनी वेबसाइटों के जरिए लोगों से संपर्क करते समय सावधान रहें; अपनी निजी जानकारी, तस्वीरें और पैसें के लेन-देन को लेकर सतर्क रहना बहुत जरूरी है।

विशाखा हवाई अड्डे पर 4 करोड़ रुपये नकद जब्त!

विशाखापत्तनम, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के हवाई अड्डे पर नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए की गई जांच के दौरान, भारी मात्रा में 'हाइड्रोपोनिक गांजा' पकड़ा गया। अधिकारियों ने बैंकॉक से आ रहे एक यात्री के पास से लगभग 4 करोड़ रुपये नकद जन्त किए। यात्री की पहचान कर उसे पकड़ लिया गया है। विदेश से आने वाले यात्रियों की जांच के दौरान तस्करी का यह मामला सामने आया। यह गांजा सामान्य गांजे से अलग, एक निर्बिजित वातावरण में विशेष तरीकों से उगाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस 'हाइड्रोपोनिक गांजे' की कीमत बहुत अधिक होती है।

ऐसे में, हवाई मार्ग से इतनी बड़ी मात्रा में महंगे नशीले पदार्थों का विशाखापत्तनम पहुंचना एक गंभीर विषय है। अधिकारी इस बात पर ध्यान दे रहे हैं कि यह गांजा कहाں से लाया गया था और विशाखापत्तनम में इसे कैसे सौंपा जाना था। इस मामले में यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच शुरू कर दी गई है। विदेशों से हवाई मार्ग के जरिए देश में नशीले पदार्थों की तस्करी का यह मामला काफी चिंताजनक है। क्या इस तस्करी के पीछे कोई और लोग भी शामिल हैं, या यह कोई बड़ी साजिश है? इन सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। अधिकारी गिरफ्तार यात्री की जांच के विवरण, गांजे की तस्करी से जुड़ी जानकारी और स्थानीय स्तर पर उसके किसी व्यक्ति से संबंध होने की संभावना की जांच कर रहे हैं।

कृष्णा जिले में सड़क हादसा : कार और लॉरी की टक्कर, एक महिला की मौत

कृष्णा जिला, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को जिले के विजयवाड़ा-मछलीपट्टनम हाईवे पर एक हादसा हो गया। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। विस्तार से जानें तो... पुलिस के अनुसार, कृष्णा जिले के जगम्यापेट का एक परिवार अपनी कार से मोपिदेवी जा रहा था। कार विजयवाड़ा-मछलीपट्टनम हाईवे पर गुडीवाड़ा प्लाईओवर के पास से गुजर रही थी।

तभी हाईवे पर पहले से ही आग की चपेट में आई एक लॉरी ने पीछे से कार को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में कार में सवार 60 वर्षीय ओरुमु चिन्नी तिरुपत्तमा की मौके पर ही मौत हो गई। वहां मौजूद लोगों ने तुरंत घायलों को स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे की जांच की। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

त्योहारी सीजन में चिकन की कीमतों में बढ़ोतरी

अमरावती, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। त्योहारी सीजन के दौरान तेलुगु राज्यों में मांसहार पसंद करने वालों के लिए चौकाने वाली खबर है। पिछले कुछ दिनों में चिकन की कीमतों में काफी बढ़ोतरी हुई है। पिछले हफ्ते की तुलना में इस बार चिकन के दाम ज्यादा बढ़े हैं। कई त्योहारों के चलते चिकन की कीमतें ऊपर जा रही हैं। आने वाले दिनों में कीमतें और बढ़ सकती हैं। उपभोक्ताओं के लिए यह एक बड़ी खबर है। व्यापारियों का कहना है कि पोल्ट्री उत्पादन और सप्लाई में बदलाव के कारण चिकन की कीमतें बढ़ी हैं। त्योहारी सीजन में मांग बढ़ने की वजह से भी कीमतें बढ़ सकती हैं। तेलुगु राज्यों के प्रमुख शहरों में चिकन के दाम द हैदराबाद में, बिना खाल वाले (स्किनलेस) चिकन की कीमत 290 रुपये से 300 रुपये प्रति किलो के बीच है।

वहीं, तैयार (ड्रेस्ड) चिकन का भाव 262 रुपये, खुदरा जीवित मुर्गे का भाव 169 रुपये और फार्म से जीवित मुर्गे का भाव 142 रुपये है। करीमनगर और वारंगल जैसे इलाकों में चिकन 300 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बिक रहा है। तेलंगाना की तुलना में आंध्र प्रदेश में चिकन की कीमतें ज्यादा बढ़ी हैं। विजयवाड़ा में बिना खाल वाले चिकन की कीमत 310 रुपये प्रति किलो है। वहां तैयार चिकन की कीमत 274 रुपये, खुदरा जीवित मुर्गे का भाव 177 रुपये और फार्म के पास जीवित मुर्गे का भाव 150 रुपये है।दूसरी ओर, मटन की कीमतों में भी इलाके के हिसाब से काफी अंतर है।

मटन की कीमत 800 रुपये से लेकर 1100 रुपये प्रति किलो तक है। त्योहारी सीजन में मांस की भारी मांग के कारण कीमतों में यह अंतर साफ देखा जा सकता है। रविवार होने के कारण, मटन और चिकन की दुकानों पर लोगों की भारी भीड़ देखी गई। चिकन की कीमतें कुछ इस तरह हैं...तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी चिकन की कीमतों में काफी बढ़ोतरी हुई है। हैदराबाद जोन में 12 ग्राम की खुदरा कीमत 80 रुपये है, और विजयवाड़ा जोन में भी इसमें 80 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। क्रिप्टोकूरेंसी की कीमतें, जो आम लोगों के लिए हमेशा उपलब्ध थीं, उनमें भी पिछले कुछ महीनों में काफी उछाल आया है।

कीमतें आसमान छू रही हैं। इस वजह से आम लोग बढ़ती कीमतों से परेशान हो रहे हैं। हालांकि, त्योहारी सीजन के कारण मांग बढ़ने और सप्लाई कम होने से कीमतें बढ़ रही हैं। पोल्ट्री व्यापारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में और मौके मिलने की उम्मीद है।

डेटिंग ऐप स्कैम: महिलाएं गायब हो जाती हैं, पुरुषों पर छोड़ जाती हैं भारी-भरकम बिल



हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में शेखर नाम के एक युवक ने डेटिंग ऐप पर मिली एक महिला के साथ डेट की। वे जुबली हिल्स के एक महंगे रेस्टोरेंट में गए। सब कुछ ठीक चल रहा था, लेकिन जब बिल चुकाने का समय आया, तो वह पूरे 28,000 रुपये का था। शेखर का आरोप है कि महिला बहाना बनाकर वहां से गायब हो गई। उसने बिल तो चुका दिया, लेकिन उसे ठग हुआ महसूस हुआ। बाद में उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। हैदराबाद पुलिस की मिली 70 शिकायतों में से एक शेखर की भी है। इनमें से 33 शिकायतें शहर के उन पुरुषों और पत्र जाने वालों की हैं, जिनका आरोप है कि डेटिंग ऐप पर मिली महिलाओं ने उनके साथ धोखाधड़ी की है।

पुलिस अधिकारी ने 'डेक्कन क्रॉनिकल' को बताया कि पिछले पांच महीनों में इस तरह की धोखाधड़ी में कुल 35 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। पुलिस अधिकारी ने बताया, उनका आरोप है कि महिलाएं उन्हें महंगे

संबंध बनाए। शिकायत के अनुसार, इसके बाद प्रदीप ने अलग-अलग बहाने बनाकर महिला से कई बार बड़ी रकम ऐंटी। पीड़िता ने बताया कि जब भी वह शादी की बात करती, तो प्रदीप कोई न कोई बहाना बनाकर उसे टाल देता था। शादी के नाम पर पैसे ऐंठने के अलावा, उसने महिला की निजी तस्वीरें सार्वजनिक करने की धमकी देकर उसे डराया। इन धमकियों से घबराकर महिला ने उसे 4 लाख रुपये और दे दिए। प्रदीप के बतारे से तंग आकर आखिरकार महिला ने मदिपल्ली पुलिस से संपर्क किया।

पंडिता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और प्रदीप को गिरफ्तार कर लिया। बाद में पुलिस ने बताया कि उसे रिमांड पर भेज दिया गया है। मैट्रिमोनी वेबसाइटों के जरिए लोगों से संपर्क करते समय सावधान रहें; अपनी निजी जानकारी, तस्वीरें और पैसें के लेन-देन को लेकर सतर्क रहना बहुत जरूरी है।

शराब व्यापारी ने सोमाजिगुडा रेस्तरां में रिवाॅल्वर लहराकर दहशत फैलाई; मामला दर्ज किया गया

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमाजिगुडा स्थित हेड क्वार्टर्स बार एंड रेस्टोरेंट में एक 24 वर्षीय शराब व्यापारी ने कथित तौर पर रिवाॅल्वर लहराई और ग्राहकों और बाउंसरों को धमकाया, जिससे वहां मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। रेस्तरां के बाउंसर बाबू बंटी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, दूसरी मंजिल पर ग्राहकों के बीच कहासुनी हो गई। कर्मचारियों ने हस्तक्षेप किया और आगे की परेशानी को रोकने के लिए दोनों पक्षों को बाहर भेज दिया। एक ग्राहक कथित तौर पर तहखाने में खड़ी अपनी महिंद्रा थार कार के पास गया, एक रिवाॅल्वर निकाली और रेस्तरां में दोबारा घुसने की कोशिश की।

बाउंसर गणेश ने उसे भूतल पर ही रोक लिया और तहखाने की ओर ले गया। आरोप है कि उस व्यक्ति ने अन्य ग्राहकों का पीछा करते हुए तहखाने में प्रवेश किया, उन पर और कर्मचारियों पर रिवाल्वर लहराई और धमकी दी कि अगर उसके बिल के लिए भुगतान की गई राशि उसे वापस नहीं की गई तो वह उन्हें गोली मार देगा। इस घटना से अफरा-तफरी मच गई, ग्राहक और कर्मचारी चीखने-चिल्लाने लगे और भागने की कोशिश करने लगे। शिकायत के आधार पर, पुंजागुट्टा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गरीबों की भलाई के काम से पीछे नहीं हटेंगे: मंत्री पोंगुलेटी

खम्मम, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने किसानों को सलाह दी कि वे मौजूदा हालात को देखते हुए दूसरी फसल की खेती करें। उन्होंने कहा कि 'अल नीनो' के कारण पूरी दुनिया के लोग समस्याओं का सामना कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बिजली खरीदने के लिए अब इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं है। राज्य में कर की मौजूदा स्थिति पर चर्चा करने के लिए उन्होंने विपक्षी दलों के साथ एक बैठक की।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार गरीबों की



भलाई के काम से कभी पीछे नहीं हटेगी।रविवार को खम्मम जिले की एडुलापुरम

राज्यव्यापी मिठाई विरोधी अभियान के दौरान टीजीसेफ ने 38 खाद्य नमूनों को जब्त किया

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। खाद्य पदार्थों की तैयारी और बिक्री में लगे अस्वच्छ परिसरों के खिलाफ अपनी कार्रवाई जारी रखते हुए, तेलंगाना खाद्य और आवश्यक औषधि मानक प्राधिकरण (टीजी सेफ) ने राज्य भर में मिठाई निर्माण इकाइयों और खुदरा दुकानों को कवर करने वाले एक विशेष अभियान के दौरान मिलावट के संदेह में 38 नमूने जन्त किए हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने निरीक्षण किया और कई उल्लंघन पाए, जिनमें क्षतिग्रस्त फर्श, जमा हुआ खाद्य अपशिष्ट, अवरुद्ध नालियां, गंदी दीवारें, चिकनाई से सने निकास और चिमनियां, और खाद्य पदार्थों का अनुचित भंडारण शामिल हैं। खाद्य सामग्री संभालने वाले कर्मचारी बिना हेयरेनेट और दस्ताने पहने काम कर रहे थे, जबकि कुछ प्रतिष्ठानों में कीट नियंत्रण और स्वास्थ्य संबंधी रिकॉर्ड का अभाव था। टीजी सेफ 20 प्रतिष्ठानों को सुधार नोटिस जारी करेगा

और उन्हें कमियों को दूर करने का निर्देश देगा। अधिकारी खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन की पुष्टि के लिए परिसरों का पुनः निरीक्षण करेंगे। शनिवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एक प्रतिष्ठान को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया जाएगा और जुर्माना लगाने की दिशा में आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी। विशेष अभियान में मंचेरियल, जन्गांव, सिद्दीपेट, खम्मम, नाययणपेट, जोगुलाम्बा गडवाल, वानापथी, नलगोंडा, यदाद्री, सूर्यापेट, पेद्दापल्ली, कामारेड्डी, नागरकनूल, निर्मल, हैदराबाद, करीमनगर, निजामाबाद, हनुमाकोंडा, मेडक, म्लुगु, जगत्तियाल, राजन्ना सिरसिला, वारंगल, महबूबनगर और भद्राद्री कोठागुडेम सहित कई जिलों में प्रतिष्ठान शामिल थे।

ड्रंक-ड्राइविंग की जांच के दौरान रैपिडो ड्राइवर ने कांस्टेबल को काटा

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चंद्रयानगुट्टा पुलिस थाना क्षेत्र में ड्रंक-ड्राइविंग की जांच के दौरान, शराब के नशे में धुत एक रैपिडो ड्राइवर ने जमकर हंगामा किया। खबरों के अनुसार, ट्रैफिक पुलिस चंद्रयानगुट्टा चौराहा पर ड्रंक-ड्राइविंग की जांच कर रही थी, तभी अजीज नाम का ड्राइवर शराब के नशे में गाड़ी चलाते हुए पकड़ा गया।

ब्रेथलाइजर टेस्ट में भी उसके नशे में होने की पुष्टि हुई। जब ट्रैफिक सब-इंस्पेक्टर श्रीधर

गौड़ ने उसके खिलाफ मामला दर्ज किया, तो अजीज ने उन्हें धक्का दे दिया और करीब डेढ़ घंटे तक हंगामा करता रहा। इस दौरान वह बिना कपड़ों के इधर-उधर घूमता रहा। पुलिस स्टेशन ले जाते समय, अजीज ने नवीन नाम के एक कांस्टेबल की उंगली काट ली। घायल कांस्टेबल को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने अजीज के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसके परिवार वालों से संपर्क करके उसे नोटिस जारी किया है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता भार्गव देशपडि ने केटीआर की मौजूदगी में बीआरएस जॉइन की

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी चुनावों को देखते हुए बीआरएस में शामिल होने का सिलसिला जारी है। बीआरएस जिस तरह से लोगों के लिए संघर्ष कर रही है, उसे देखते हुए कांग्रेस और बीजेपी के नेता और कार्यकर्ता खुद आगे आकर बीआरएस से जुड़ रहे हैं। हाल ही में, आदिलाबाद जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और एनएसयूआई के पूर्व अध्यक्ष भार्गव देशपांडे बीआरएस पार्टी में शामिल हो गए। रविवार को हैदराबाद में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर के आवास पर आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ली। इस दौरान उन्हें गुलाबी स्कार्फ



पहनाकर पार्टी में शामिल किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री और विधायक वेमुला प्रशांत रेड्डी, पूर्व मंत्री जोगु रमन्ना, विधायक पोचमपल्ली श्रीनिवास

रेड्डी, विधायक कोवा लक्ष्मी, अनिल जाधव, पूर्व विधायक बालक सुमन, खानापुर ब्लॉक प्रभारी जॉनसन नाइक और अन्य लोग मौजूद थे।

हैदराबाद में महिला रात्रि दौड़ में 1,100 से अधिक महिलाओं ने लिया हिस्सा

कई महिलाओं ने साड़ी पहनकर दौड़ में भाग लिया



हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद रनर्स सोसाइटी की ओर से शनिवार रात गम्बीबाउली में ‘स्टारलाइट स्ट्राइड्स – महिला रात्रि दौड़ 2026’ के छठे संस्करण का आयोजन किया गया। इसमें 1,100 से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं में

शारीरिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। हैदराबाद रनर्स सोसाइटी के अध्यक्ष अरुण कुमार ने कहा कि महिलाओं को समर्पित रात्रि दौड़ में इतनी बड़ी संख्या में उनकी भागीदारी प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन महिलाओं के अस्तित्व का उत्सव और समाज की सामाजिक एवं



‘विमेन्स काउच-टू-5के’ प्रशिक्षण कार्यक्रम की समापन दौड़ रही। हैदराबाद रनर्स सोसाइटी की ओर से संचालित 6 सप्ताह के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 180 से अधिक महिलाओं ने 5 किलोमीटर की समापन दौड़ पूरी की। इस दौरान 17 महिला प्रशिक्षकों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कबाड़ की दुकान में विस्फोट, मालिक 70 प्रतिशत झुलस, हालत गंभीर

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रामतापुर के चर्च कालोनी में रविवार सुबह एक कबाड़ की दुकान में विस्फोट होने से दुकान का मालिक परशुराम गंभीर रूप से झुलस गया।

उसके शरीर का करीब 70 प्रतिशत हिस्सा जल गया है और उसकी हालत नाजुक बताई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जी+2 इमारत के भूतल पर स्थित कबाड़ की दुकान में धातु काटने का काम किया जा रहा था। इसी दौरान अचानक विस्फोट हो गया, जिससे दुकान में आग लग गई। हादसे में दुकान मालिक परशुराम गंभीर रूप से झुलस गया। वह किसी तरह दुकान से बाहर निकला, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने उसे एंबुलेंस से गांधी अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन कर्मी मौके पर पहुंचे और दो दमकल गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया। हादसे के कारणों का विस्तृत विवरण सामने नहीं आया है।

जलमंडल के संयुक्त निदेशक की कार से 2.40 लाख रुपये जप्त

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने शनिवार रात राजभवन रोड पर जांच के दौरान हैदराबाद महानगर जलापूर्ति एवं मलजल निकासी मंडल के संयुक्त निदेशक ए. श्रीनिवास की कार से 2.40 लाख रुपये की बेहिस्साबी नकदी जप्त की। अधिकारियों ने शाम करीब 7 बजे मेट्रो रजिस्ट्री अपार्टमेंट्स के पास श्रीनिवास की कार को रोककर तलाशी ली। इस दौरान नकदी बरामद हुई। बताया जाता है कि धनराशि के स्रोत के बारे में अधिकारी द्वारा दिया गया स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाया गया। इसके बाद एसीबी ने मामले की जांच संभावित भ्रष्टाचार के पहलू से शुरू की। सूत्रों के अनुसार, एक अज्ञात व्यक्ति से फोन पर मिली सूचना के बाद एसीबी अधिकारियों ने संबंधित अधिकारी पर निगरानी रखी थी। जप्त नकदी के संबंध में आयरकम विभाग को भी सूचना दिए जाने की संभावना है। हालांकि, मामले में भ्रष्टाचार की पुष्टि अभी नहीं हुई है।



यूपी, इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ के न्यायमूर्ति प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से मुलाकात की। यह शिष्टाचार भेंट हैदराबाद स्थित लोक भवन में हुई।

मन की बात समाज के सभी वर्गों को प्रेरित करती है : एन. रामचंद्र राव

पार्टी जाति और धर्म के आधार पर देश तथा समाज को बांटने की साजिश : रेखा शर्मा



हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम ‘मन की बात’ विद्यार्थियों, युवाओं और समाज के सभी वर्गों को प्रेरणा और मार्गदर्शन प्रदान करता है।

रविवार को रामचंद्र राव ने सैरिलिंगमपल्ली विधानसभा क्षेत्र के मियापुर स्थित लक्ष्मी एम्पोरिया अपार्टमेंट्स में स्थानीय निवासियों के साथ ‘मन की बात’ के 139वें अंक के चैयर कार, आरक्षित द्वितीय श्रेणी सिटिंग और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे लगाए जाएंगे। उन्होंने दीपावली और छठ पुर्वा से पहले प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छता को

प्राथमिकता देने, आसपास का वातावरण साफ रखने तथा प्रकृति संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की सराहना की। इस अवसर पर रामचंद्र राव ने तेलंगाना की 2 स्नातक विधान परिषद सीटों महबूबनगर-रंगारेड्डी-हैदराबाद और वारंगल-खम्मम-नलगोंडा के आगामी चुनावों के लिए मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि 31 अक्टूबर 2023 तक स्नातक की डिग्री प्राप्त कर चुके पात्र मतदाताओं को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार 6 नवंबर से पहले प्रपत्र-18 जमा कर अपना पंजीकरण कराना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया

कि पूर्व के चुनावों में मतदान कर चुके स्नातकों को भी मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए नए सिरे से आवेदन करना होगा।

उन्होंने सभी पात्र स्नातकों से बड़ी संख्या में पंजीकरण कराने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने की अपील की। वहीं, भाजपा की तेलंगाना सह-प्रभारी एवं सांसद रेखा शर्मा ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी जाति और धर्म के आधार पर देश तथा समाज को बांटने की साजिशों के जरिए लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं को अस्थिर करने का प्रयास कर रही है।

सिकंदराबाद-सिरपुर कागजनगर के बीच विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी त्योहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे ने विशेष रेल सेवाओं का विस्तार किया है। सिकंदराबाद-सिरपुर कागजनगर-हैदराबाद के बीच 26 अक्टूबर से 5 नवंबर तक 22 दैनिक विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। इसके साथ ही दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात और राजस्थान जाने वाले यात्रियों के लिए भी कई विशेष ट्रेनों में अक्टूबर और नवंबर के दौरान बर्थ उपलब्ध हैं। रेलवे ने यात्रियों से अग्रिम आरक्षण कराने की अपील की है। दक्षिण मध्य रेलवे के अनुसार, ट्रेन संख्या 07711 सिकंदराबाद-सिरपुर कागजनगर प्रतिदिन दोपहर 12:10 बजे रवाना होकर शाम 5:30 बजे पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 07712 सिरपुर कागजनगर-हैदराबाद शाम 6 बजे रवाना होकर रात 11:15 बजे हैदराबाद पहुंचेगी। दोनों दिशाओं में इन ट्रेनों का ठहराव चेलापल्ली, भोंगीर, यादाद्री, जगगांव, काजीपेट, जम्मिकुंटा, पेढापल्ली, रामागुंडम, मंचेरियल, बेल्लमपल्ली और आसिफाबाद रोड स्टेशनों पर होगा। इन विशेष ट्रेनों में एसी चैयर कार, आरक्षित द्वितीय श्रेणी सिटिंग और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे लगाए जाएंगे। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ए. श्रीधर ने बताया कि विशेष ट्रेनों में सीटों और बर्थ की उपलब्धता यात्रियों की बुकिंग के अनुसार लगातार बदलती रहती है।

अलाय-बलाय उत्सव ने सांस्कृतिक एकता और भाईचारे का दिया संदेश



हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। महिला सहकारी विकास निगम की पूर्व अध्यक्ष बंडारू शोभारानी के नेतृत्व में बंडारू फाउंडेशन की ओर से आलेख में ‘अलाय बलाय’ उत्सव धूमधाम से मनाया गया। तेलंगाना की संस्कृति, परंपरा और आपसी आत्मीयता के प्रतीक इस आयोजन में कई जनप्रतिनिधियों तथा राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हरियाणा के पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, धुवनगिरि के सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी और पूर्व मंत्री मोथ्यकुपल्ली नरसिम्हलु उपस्थित रहे। अतिथियों ने कहा कि ‘अलाय बलाय’ जैसे आयोजन तेलंगाना की सांस्कृतिक एकता और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं। सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना की संस्कृति और परंपराओं में ‘अलई बलई’ का विशेष स्थान है। यह ऐसी परंपरा

है, जो जाति, धर्म और राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर लोगों को एकजुट करती है। उन्होंने समाज में आत्मीयता और भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए बंडारू शोभारानी तथा बंडारू फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर सरकारी सचेतक एवं विधान परिषद सदस्य अडांकी दयाकर, अरुणोदय सांस्कृतिक महासंघ की अध्यक्ष विमलका, पूर्व विधायक गोंगिडी सुनीता महेंद्र रेड्डी, सूचना का अधिकार आयोग के अध्यक्ष बोरेड्डी अयोध्या रेड्डी,

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति की महिला अध्यक्ष एरबिल्ली स्वर्णा और तेलंगाना राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष नेरेल्ला शारदा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों, महिलाओं और फाउंडेशन के सदस्यों ने भाग लिया। सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर शुभकामनाएं दीं। उत्सव ने सामाजिक सद्भाव, सांस्कृतिक एकजुटता और आपसी प्रेम का संदेश दिया।

गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने पर 40 वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 24 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को रैतीबोवली जंक्शन पर चलाए गए एक विशेष अभियान के दौरान, कुलसुमुपुरा ट्रैफिक पुलिस ने गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन पर बात करने वाले 40 वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर, गोलकोंडा ज़ोन की एसीपी धनलक्ष्मी की देखरेख में यह जांच अभियान चलाया गया।

वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों के बारे में समझाया गया और उन्हें गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करने की चेतावनी दी गई।

बस्ती दवाखानों के सहायक कर्मचारियों की समस्याएं दूर करे सरकार : कोदंडराम

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जन समिति के विधान परिषद सदस्य कोडंडाराम ने बस्ती दवाखानों में कार्यरत सहायक कर्मचारियों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं को कई बार सरकारी अधिकारियों के संज्ञान में लाया जा चुका है, लेकिन उनकी कई मांगों अब भी लंबित हैं। कोडंडाराम ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के आयुक्त से चतुर्थ श्रेणी के स्थायी पदों पर लंबित रिक्तियों को उनके अनुभव के आधार पर अतिरिक्त अंक दिए जाएं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा अधिकारी, स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, प्रयोगशाला तकनीशियन और सहायक नर्स दाई (एनएनएम) के पदों पर भी स्थायी नियुक्तियां की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि इन पदों पर भर्ती के दौरान पहले से सेवा दे रहे योग्य संविदा एवं सहायक कर्मचारियों को उनके अनुभव के आधार पर अतिरिक्त अंक दिए जाएं। उन्होंने कहा कि संविदा पदों पर नियुक्तियां करते समय लंबे समय से कार्यरत और निर्धारित योग्यता रखने वाले सहायक कर्मचारियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस अवसर पर बस्ती दवाखानों के कर्मचारी नरसिम्हा, अनीता, पावनी, साइमन राजू, भाविका, संगीता, महेश, राजू, सत्यनारायण, लागण्या, सुशीला, शीलता और रेणुका सहित अन्य कर्मचारियों ने अपनी आर्थिक परेशानियों से अवगत कराया। उन्होंने सरकार से उनकी समस्याओं का जल्द समाधान करने और सेवा संबंधी मांगों पर उचित निर्णय लेने की अपील की।

टीजीएसआरटीसी ने हैदराबाद के यात्रियों को दी राहत

वातानुकूलित बसों सहित सभी नगर बसों में मिलेगी सुविधा

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने हैदराबाद के यात्रियों को राहत देते हुए 600 रुपये का सामाहिक बस पास शुरू किया है। इस पास के माध्यम से यात्री ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र में वातानुकूलित बसों सहित सभी प्रकार की नगर बसों में लगातार 7 दिनों तक असीमित यात्रा कर सकेंगे। हालांकि, यह सुविधा पुष्पक हवाई अड्डा बस सेवा को लागू नहीं होगी। निगम ने यह नई योजना प्रतिदिन शहर में यात्रा करने वाले यात्रियों, पर्यटकों और व्यावसायिक कार्यों से हैदराबाद



आने वाले लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शुरू की है। इसका उद्देश्य यात्रियों को अधिक बोझ कम करने के साथ ही सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुविधाजनक और किफायती

बनाना है। यह सामाहिक पास खरीदने की तारीख से लगातार 7 दिनों तक मान्य रहेगा। पासधारकों को इस अवधि के दौरान प्रत्येक यात्रा के लिए अलग-अलग टिकट खरीदने की आवश्यकता नहीं होगी। वे पुष्पक हवाई अड्डा बस सेवा को छोड़कर ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र की किसी भी नगर बस में यात्रा कर सकेंगे। टीजीएसआरटीसी के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वाई. नागिरैड्डी ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देने और शहर के यात्रियों को किफायती दरों पर बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है।

अल नीनो के प्रभाव को देखते हुए किसान वैकल्पिक फसलें अपनाएं : जितेश पाटिल

कम पानी और कम लागत में अधिक आय देने वाली खेती पर जोर

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदलते मौसम और अल नीनो के संभावित प्रभाव को देखते हुए किसानों को जल उपलब्धता के अनुरूप वैकल्पिक फसलें अपनानी चाहिए। तेलंगाना दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक जितेश वी. पाटिल ने कम पानी, कम लागत और कम थम में अधिक आय देने वाली खेती पर ध्यान देने की सलाह दी।

रविवार को उन्होंने निदेशक (परियोजना एवं सूचना प्रौद्योगिकी) वी. शिवाजी के साथ रंगारेड्डी जिले के शादनगर मंडल

के रायकल, वित्याला और रामेश्वरम गांवों का दौरा किया। उन्होंने कृषि बिजली आपूर्ति और वितरण परिवर्तकों का निरीक्षण कर किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने के उपायों की समीक्षा की। जितेश पाटिल ने कहा कि धान की खेती में अधिक पानी लगता है। इसलिए किसानों को अपनी जमीन, पानी की उपलब्धता और निवेश क्षमता के अनुसार सब्जियों, फूलों तथा अन्य वैकल्पिक फसलों की खेती पर विचार करना चाहिए। साथ ही दुग्ध उत्पादन, मछली पालन, भेड़ पालन और मुर्गी पालन जैसी

गातिविधियों से अतिरिक्त आय अर्जित करने के अवसर तलाशने चाहिए। उन्होंने कृषि अनुसंधान एवं विकास दल के साथ चर्चा में अधिक आय प्राप्त करने, कीटनाशकों का सीमित उपयोग करने तथा आधुनिक कृषि पद्धतियां अपनाने की संभावनाओं पर विचार किया। उन्होंने कहा कि जल, पूंजी और श्रम का उचित उपयोग तथा फसल विविधीकरण खेती को लाभकारी बनाने में मदद कर सकते हैं।

तेलंगाना में दक्षिण कोरियाई निवेश की अपार संभावनाएं : भट्टी विक्रमार्क

पर्यटन क्षेत्र में 15,000 करोड़ रुपये के निवेश और 3 लाख अतिरिक्त रोजगार सृजन का लक्ष्य
इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, अर्धचालकों, औषधियों और आधुनिक उत्पादन क्षेत्रों में निवेश का आमंत्रण

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य सरकार दक्षिण कोरिया के साथ सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के साथ ही वहां की कंपनियों के निवेश, रोजगार सृजन, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और युवाओं के कौशल विकास को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, विद्युत वाहनों, आधुनिक उत्पादन, जीवन विज्ञान, नवीकरणीय ऊर्जा और उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में तेलंगाना तथा दक्षिण कोरियाई कंपनियों के बीच सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। वह रविवार को हैदराबाद के शिल्पकला वेदिका में आयोजित 'के-हार्मनी उत्सव—कोरिया संस्कृति दिवस 2026' में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की अगुआई में दक्षिण कोरिया यात्रा के दौरान हुई निवेश संबंधी चर्चाओं ने दोनों क्षेत्रों के बीच आर्थिक सहयोग की नींव रखी थी। राज्य सरकार इस साझेदारी को और मजबूत करने तथा निवेश एवं रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरिया की आर्थिक प्रगति से तेलंगाना बहुत कुछ सीख सकता है। शिक्षा, कौशल विकास, बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी में निरंतर निवेश ने



दक्षिण कोरिया के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने उद्योगों, विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, नवोद्यमों और लघु उद्यमों के बीच सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। पर्यटन क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना की पर्यटन नीति 2025—2030 के तहत अगले 5 वर्षों में 15,000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करने और 3 लाख अतिरिक्त रोजगार के अवसर सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य के 27 पर्यटन स्थलों के विकास की कार्ययोजना भी बनाई गई है। उन्होंने दक्षिण कोरियाई कंपनियों से पर्यटन संबंधी बुनियादी सुविधाओं, अतिथि सत्कार सेवाओं, चलचित्र पर्यटन, स्वास्थ्य एवं कल्याण पर्यटन तथा सांस्कृतिक अनुभवों के विकास में

भागीदारी करने का आह्वान किया। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि कोरियाई कला, संगीत, संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करने वाला यह उत्सव भारत और दक्षिण कोरिया के लोगों के बीच मित्रता को और मजबूत करेगा। उन्होंने युद्ध और गरीबी जैसी चुनौतियों से उबरकर विकसित अर्थव्यवस्था बनने के लिए दक्षिण कोरिया की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी, उत्पादन, शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में देश की उपलब्धियां प्रशंसनीय हैं। उन्होंने कहा कि कोरियाई संगीत, फिल्मों और दूरदर्शन कार्यक्रमों ने दुनिया भर के युवाओं को आकर्षित किया है। इससे पता चलता है कि सांस्कृतिक प्रभाव किसी देश की वैश्विक पहचान मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय और कोरियाई

भारतीय संस्कृति विदेशों में लोकप्रिय हो रही है: रघुनंदन राव

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक सांसद रघुनंदन राव ने दावा किया है कि विदेशों में भारतीय संस्कृति और परंपराओं की लोकप्रियता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि अखबारों में ऐसे लेख छपे हैं कि अमेरिका में भी अय्यप्पा भक्तों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। शनिवार को सैडिपेट में एक भव्य अलार्ड बलाय कार्यक्रम आयोजित किया गया। ये समारोह भाजपा के वरिष्ठ नेता दूदी श्रीकांत रेड्डी के तत्वावधान में कोंडा मल्लैया गार्डन में आयोजित किए गए। सांसद रघुनंदन राव ने समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और भाषण दिया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत महान संस्कृति और परंपराओं का घर है और उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें खुशी है कि सभी लोग, चाहे वे किसी भी दल, जाति या धर्म के हों, इस आयोजन में एक साथ आए हैं।

वन अधिकारियों ने पिंजरे की मदद से आदमखोर बाघ को पकड़ा

कुमरम भीम आसिफाबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के जंगलों में आदमखोर बाघ टी-122 को आधि्रकार पकड़ लिया गया, जिससे जंगल के किनारे बसे गांवों के लोगों ने राहत की सांस ली। वन अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने सावली तालुका के जंगलों में एक खास तौर पर डिजाइन किए गए बड़े पिंजरे का इस्तेमाल करके बाघ को फंसाया। 30 गुणा 30 फीट के इस पिंजरे को बाघ को लुभाने के लिए एक प्रयोग के तौर पर बनाया गया था।



हाल के हफ्तों में इस बाघ ने तीन चरवाहों को मार डाला था और एक अन्य व्यक्ति को घायल कर दिया था, जिससे व्याहड़, समदा, निलसानी, पेडागांव और सोनापुर के ग्रामीणों में दहशत फैल गई थी। यह बाघ रेस्क्यू टीम को लगातार चकमा दे रहा था। इसे बेहोश (ट्रैकिलाइज) करने की कोशिशें भी नाकाम रहीं, जिसके बाद अधिकारियों ने पिंजरे का

इस्तेमाल करने का फैसला किया। बाघ के पकड़े जाने के बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। अधिकारियों के अनुसार, इस पिंजरे को इस तरह डिजाइन किया गया है कि बाघ आसानी से इसके अंदर जा सके। एक बार लगा दिए जाने के बाद, पारंपरिक पिंजरों की तुलना में इसमें कम लोगों (मैमपावर) की ज़रूरत पड़ती है। इससे जंगल में कर्मचारियों की मौजूदगी की ज़रूरत भी कम हो

जाती है, जिससे बाघों को होने वाली परेशानी भी कम होती है। इस बाघ ने 1 अगस्त को समदा के हिमन सखारे को मार डाला था, और 16 व 21 सितंबर को क्रमशः निलसानी के वासुदेव वाकुडकर और हेमंत भुसे की जान ले ली थी। इसने 26 अगस्त को नामदेव कुकुडकर पर भी हमला किया था। इसके अलावा, पिछले कुछ हफ्तों में इसने 23 पालु जानवरों को भी मार डाला था, जिसके चलते इसे पकड़ना ज़रूरी हो गया था।

अगस्त की शुरुआत में, महाराष्ट्र वन विभाग ने बाघ को पकड़ने का आदेश दिया। यह फैसला एक समिति की सिफारिशों के बाद लिया गया, जिसे लगातार हुई इसानी मौतों के मद्देनजर गठित किया गया था। समिति ने सिफारिश की थी कि एक विशेषज्ञ टीम की मदद से बाघ को स्थायी रूप से पकड़ लिया जाए।

मलकाजगिरी नगर निकाय ने 7,000 टन फूलों के कचरे को अगरबत्ती में बदला

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरी नगर निगम (एमएमसी) ने धार्मिक त्योहारों के दौरान निकले लगभग 7,000 मीट्रिक टन फूलों के कचरे को जैविक उत्पादों, जैसे कि अगरबत्ती और धूप बलियों में बदल दिया है। एमएमसी के अतिरिक्त आयुक्त (स्वच्छता) रघु प्रकट्टा ने बताया कि, इसमें से 6,400 मीट्रिक टन से अधिक कचरा गणेश विसर्जन के दौरान निकला, जबकि लगभग 400 मीट्रिक टन कचरा बथुकम्मा उत्सवों के दौरान इकट्ठा किया गया। एमएमसी आयुक्त विनय कृष्ण

रेड्डी ने बताया कि, नगर निगम ने 'पक्का ऑर्गेनिक्स' के साथ मिलकर सफिलगुडा झील सहित प्रमुख विसर्जन स्थलों पर फूलों का इकट्ठा करने के लिए विशेष कियोस्क स्थापित किए थे। इन कियोस्कों में धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान चढ़ाए गए फूल और गणेश प्रतिमाओं के साथ लाए गए फूलों के कचरे को इकट्ठा किया गया। एमएमसी ने इन फूलों को सामान्य कचरे में मिलाने के बजाय, इन्हें अलग से इकट्ठा करने और रीसाइकिल करने की व्यवस्था की। एमएमसी आयुक्त ने बताया कि 'पक्का ऑर्गेनिक्स' ने इकट्ठा

किए गए फूलों को सुखाकर उनका पाउडर बनाया। फिर इस पाउडर में जड़ी-बूटियां, प्राकृतिक रेजिन, लकड़ी का बुरादा और पौधों से बने बाइंडर्स (जोड़ने वाले पदार्थ) मिलाकर अगरबत्ती और धूप बलियां तैयार की गईं।

रेड्डी ने कहा कि फूलों के कचरे को वैज्ञानिक तरीके से इकट्ठा करने और उसका दोबारा उपयोग करने से पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलती है, साथ ही नगर निगम की कचरा प्रबंधन प्रणाली पर पड़ने वाला दबाव भी कम हुआ है।



मेडिगड्डा और कालेश्वरम की बदहाली के लिए केसीआर और हरीश राव जिम्मेदार : मेट्टू साईकुमार

बीआरएस नेताओं पर साधा निशाना, हरीश राव पर लगाए झूठ बोलने के आरोप

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) के मत्स्य विभाग के अध्यक्ष मेट्टू साईकुमार ने बीआरएस नेता हरीश राव और पार्टी के अन्य नेताओं पर तीखा हमला बोला। उन्होंने बीआरएस का उपहास करते हुए इसे 'बेकार राज्य समिति' और 'बट्टेबाज राज्य समिति' करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि 10 वर्षों तक राज्य को बदहाली की ओर धकेलने वाले बीआरएस नेता अब दूसरों को नैतिकता का पाठ पढ़ा रहे हैं।



मेट्टू साईकुमार ने हरीश राव पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें 'तंत्री हरीश राव' के बजाय 'झूठे हरीश राव' कहा जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि झूठ बोलने के मामले में हरीश राव अपने मामा केसीआर से भी आगे निकल गए हैं और प्रतिदिन सैकड़ों से लेकर हजार तक झूठ बोलते हैं। उन्होंने दावा किया कि हरीश राव

हाल ही में मेडिगड्डा का दौरा करने वाले बीआरएस नेताओं को हरीश राव से सवाल पूछने चाहिए और उनसे जवाब मांगना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने बीआरएस नेताओं को मेडिगड्डा जाने की अनुमति इसलिए दी, ताकि वे अपनी सरकार के कार्यकाल में किए गए कार्यों की वास्तविक स्थिति देख सकें। उन्होंने बीआरएस के भीतर नेतृत्व को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि वरिष्ठ नेता तलसानी श्रीनिवास यादव और पद्माराव को कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने की योग्यता क्यों नहीं है। उन्होंने कहा कि तलसानी श्रीनिवास यादव 5 बार विधायक रह चुके हैं और उनमें नेतृत्व के गुणों की कमी नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि हरीश राव बीआरएस में दूसरे नंबर का नेता बनने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनके प्रयास सफल नहीं होंगे।

चावल की आपूर्ति में अनियमितता का आरोप, 14 मिलर गिरफ्तार निर्धारित किस्म के बजाय मोटे चावल की आपूर्ति का मामला

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को चावल की आपूर्ति में कथित अनियमितताओं के मामले में अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने जांच शुरू कर दी है। नागरिक आपूर्ति निगम के महाप्रबंधक (खरीद) की ओर से 24 अक्टूबर 2026 को दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की गई। मामले में अब तक 3 अपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं और 14 चावल मिल संचालकों को गिरफ्तार किया गया है। तेलंगाना पुलिस के अपराध जांच विभाग के अनुसार, खरीद विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान राज्य सरकार ने 71.86 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की थी। इसके बदले भारतीय खाद्य निगम को 59.60 लाख मीट्रिक टन चावल की आपूर्ति का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कुछ चावल मिल संचालकों पर आरोप है कि उन्होंने उन्हें आवंटित धान को खुले बाजार में बेच दिया और उसके स्थान पर कम कीमत वाला मोटा चावल आपूर्ति किया। इसमें दूसरे राज्यों से मंगाए गए चावल की आपूर्ति किए जाने का आरोप भी है। प्रवर्तन एवं कार्यबल की टीमों द्वारा किए गए निरीक्षण और प्रयोगशाला जांच में कथित तौर पर पाया गया कि जांचे गए मामलों में आपूर्ति किए गए चावल के नमूने आवंटन में निर्धारित किस्म के अनुरूप नहीं थे। इससे कस्टम मिल्ट राइस (सीएमएल) समझौते के उल्लंघन और सरकार को संभावित वित्तीय नुकसान की आशंका जताई गई है। निजामाबाद, करीमनगर और मुलुगु जिलों की 16 चावल मिलों ने

कथित तौर पर पतले चावल के आवंटन के बदले 3,385.820 मीट्रिक टन मोटे चावल की आपूर्ति की। इन आपूर्तियों के कारण बोनस मद में सरकार को लगभग 1.69 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। इसके अतिरिक्त, 45,414.833 मीट्रिक टन धान को मिलिंग के लिए आवंटित किया गया था। इससे संबंधित बोनस की संभावित वित्तीय देनदारी लगभग 242 करोड़ रुपये आंकी गई। अधिकारियों के अनुसार, नागरिक आपूर्ति विभाग के समय रहते हस्तक्षेप और आपूर्ति रोकने के आदेशों के कारण संभावित नुकसान को आगे बढ़ने से रोक दिया गया। सीआईडी के अनुसार, प्रथम दृष्टया उपलब्ध जानकारी से खरीद विपणन वर्ष 2025-26 के सीएमएल समझौते के उल्लंघन, विश्वासघात, अनुचित लाभ प्राप्त करने तथा सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने की साजिश जैसी आशंका सामने आई है। मामले की जांच जारी है। जांच अधिकारी कथित तौर पर धान के विचलन और चावल की किस्म बदलकर आपूर्ति किए जाने, मिल संचालकों की भूमिका, आवंटन और मिलिंग संबंधी अनुरोधों की प्रक्रिया तथा वास्तविक वित्तीय नुकसान का पता लगा रहे हैं। इसके साथ ही संबंधित दस्तावेजों, तकनीकी साक्ष्यों और अन्य प्रमाणों को जुटाया जा रहा है। मामले में किसी सरकारी अधिकारी या अन्य व्यक्ति की संलिप्तता और अपराधिक साजिश की संभावना की भी जांच की जा रही है। आगे की कार्रवाई जुटाए गए साक्ष्यों और लागू कानूनों के आधार पर की जाएगी।

फ्यूचर सिटी सीपी ने 108 मामलों की समीक्षा की अधिकारियों को जांच में तेजी लाने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। फ्यूचर सिटी के पुलिस कमिश्नर डॉ. तरुण जोशी ने इब्राहिमपटनम स्थित फ्यूचर सिटी पुलिस कमिश्नरेट में आयोजित एक अपराध समीक्षा बैठक में जांच की प्रगति और लंबित आपराधिक मामलों का जायजा लिया। समीक्षा के लिए कुल 108 मामले लिए गए, जिनमें 68 कम गंभीर मामले और 40 गंभीर, पुराने लंबित तथा एससी/एसटी से जुड़े मामले शामिल थे। बैठक में जांच प्रक्रिया में तेजी लाने, लंबित मामलों को कम करने और जांच अधिकारियों के बीच बेहतर तालमेल बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। डॉ. जोशी ने प्रभावी जांच,



को दूर करें और जांच को जल्द से जल्द पूरा करना सुनिश्चित करें। विशेष रूप से गंभीर और संवेदनशील मामलों में ऐसा करना ज़रूरी है, ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके। बैठक में अलग-अलग मामलों में हुई प्रगति की भी समीक्षा की गई और समय पर कार्रवाई करने तथा जांच प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। यह समीक्षा फ्यूचर सिटी पुलिस कमिश्नरेट के उन प्रयासों का हिस्सा है, जिनका उद्देश्य जांच के मानकों में सुधार करना, लंबित मामलों का निपटारा करना और अपने अधिकार क्षेत्र में सार्वजनिक सुरक्षा को मजबूत करना है।

राहुल गांधी में तेलंगाना आने का साहस नहीं : केटीआर

कांग्रेस सरकार पर चुनावी वादे पूरे नहीं करने का आरोप

हैदराबाद, 25 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव (केटीआर) ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता देशभर में बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन तेलंगाना आने का साहस नहीं दिखाते। उन्होंने राज्य की कांग्रेस सरकार पर चुनावी आश्वासन पूरे नहीं करने और प्रशासनिक अनियमितताओं के मुद्दों पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया।



रॉबर्ट मोदी का मुकाबला करने और देश में सांप्रदायिक राजनीति को रोकने में प्रभावी भूमिका नहीं निभा पा रही है। केटीआर ने कहा कि बीआरएस तेलंगाना के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध क्षेत्रीय शक्ति बनी रहेगी। उन्होंने राज्य की आवश्यकताओं और हितों को प्राथमिकता देने की अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई।

और 420 वादे पूरे करने का भरोसा दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में 1,000 दिन बीतने के बावजूद सरकार इन प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में विफल रही है। केटीआर ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि वे देशभर में भाषण देते हैं, लेकिन तेलंगाना में सरकार के कामकाज और कथित अनियमितताओं पर सवाल उठाने

से बचते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार पर आरोप लगाया कि तेलंगाना कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के लिए एटीएम बन गया है। बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष ने कांग्रेस की राष्ट्रीय भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी का मुकाबला करने और देश में सांप्रदायिक राजनीति को रोकने में प्रभावी भूमिका नहीं निभा पा रही है। केटीआर ने कहा कि बीआरएस तेलंगाना के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध क्षेत्रीय शक्ति बनी रहेगी। उन्होंने राज्य की आवश्यकताओं और हितों को प्राथमिकता देने की अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई।

अमेरिका के फ्लोरिडा में अंधाधुंध गोलीबारी, 6 नाबालिग समेत 12 लोग घायल

वाशिंगटन, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित तल्लाहसी में एक फुटबॉल स्टेडियम के पास शनिवार देर रात हुई अंधाधुंध गोलीबारी में कम से कम 12 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और मामले की जांच जारी है। स्थानीय पुलिस और विश्वविद्यालय प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक, यह हिंसक घटना फ्लोरिडा एएंडएम यूनिवर्सिटी के ब्रैग मेमोरियल स्टेडियम के बाहरी परिसर में उस समय हुई जब वहां एक कार्यक्रम चल रहा था। तल्लाहसी पुलिस विभाग ने बताया कि कुल 12 घायलों में से 11 लोगों को गोलियां लगी हैं। पीड़ितों में 6 वयस्क और 6 नाबालिग शामिल हैं।

पुलिस के मुताबिक, गोलीबारी के शिकार हुए लोगों में से कम से कम तीन की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। वहीं, बाकी नौ घायलों की स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और आपातकालीन सेवाओं ने मौके पर पहुंचकर राहत और जांच कार्य शुरू कर दिया।

मक्का-मदीना को निशाना बनाने के आरोप पर भड़के हुती, बोले- 'ये बहुत बड़ा झूठ है'



रियाद, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस्लाम के सबसे पवित्र शहरों मक्का अल-मुकर्रमा और मदीना अल-मुनव्वरा को निशाना बनाने के आरोपों पर यमन के हुती विद्रोहियों और सऊदी अरब के बीच जुवानी जंग छिड़ गई है। सऊदी अधिकारियों के मक्का और मदीना क्षेत्रों में रोकी गई मिसाइलों का मलबा मिलने की बात कहे जाने के बाद, हुती आंदोलन ने इन दावों को सिर से खारिज करते हुए इसे बड़ा और संगीन झूठ करार दिया है। हुती सेना के प्रवक्ता याह्या सारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए स्पष्ट किया कि उनका मकसद सऊदी अरब के केवल सैन्य ठिकानों और तेल प्रौद्योगिकी को निशाना बनाना था, न कि पवित्र धार्मिक स्थलों को।

सऊदी नागरिक सुरक्षा और सऊदी नीत सैन्य गठबंधन ने दावा किया है कि यमन की ओर से

'सदाम हुसैन ने चीजकेक फैक्ट्री खोली है'

व्हाइट हाउस में रेनोवेशन को लेकर बराक ओबामा का ट्रंप पर तंज

वाशिंगटन, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस के रेनोवेशन के प्लान पर बेहद तीखा और मजेदार तंज कसा है। ओबामा ने कहा कि ट्रंप ने व्हाइट हाउस का हाल ऐसा कर दिया है जैसे सद्दाम हुसैन ने कोई चीजकेक फैक्ट्री खोल दी हो। बता दें कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय में आया, जब वे ओहियो में मध्यावधि चुनावों के लिए प्रचार करने पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने ट्रंप के अंदाज और उनके फैसलों पर जमकर चुटकी ली।

रैली के दौरान ओबामा ने भीड़ की हंसी और तालियों के बीच कहा कि ट्रंप को देश के दूसरे मुद्दों से ज्यादा घर के रेनोवेशन में दिलचस्पी है। ओबामा ने मजाक में कहा कि मुझे नहीं पता कि आपने गैर किया या नहीं, लेकिन वह होम रेनोवेशन पर बहुत ध्यान दे रहे हैं।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे डोनल्ड ट्रंप का माजक बनाते हुए कहा कि उन्हें तो होम डिजाइन चैनल (एचजीटीवी) पर होना



चाहिए। वह एक ऐसा बॉलरूम बना रहे हैं जो खुद व्हाइट हाउस से भी बड़ा है। ओबामा ने आगे कहा कि ट्रंप रोज गार्डन पर पक्की सड़क जैसी बना दी, साउथ लॉन पर हेलीकॉप्टर पैड बनवा दिया और हर तरफ सोना ही सोना है! भाई, इस सोने को क्या बीमारी है? हर चीज पर, बस और सोना।

सदाम हुसैन और चीजकेक फैक्ट्री वाला तंज ओबामा ने अपने इस बयान से सभा में हास्य डिजाइन चैनल (एचजीटीवी) पर होना

इजरायल चुनाव: सर्वे में बेंजामिन नेतन्याहू से आगे निकले पूर्व सेना प्रमुख गादी आइजेनकॉट, पीएम बनने के कितने चांस



तेल अवीव, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायल में आगामी संसदीय चुनाव मंगवार, 27 अक्टूबर को होने जा रहे हैं। 7 अक्टूबर के हमास के इजरायल पर हमले और उसके बाद गाजा, लेबनान और ईरान के साथ इजरायल के संघर्षों के बाद यह देश का पहला राष्ट्रीय चुनाव है। चुनाव को बेंजामिन नेतन्याहू की राजनीति के लिहाज से अहम है। इजरायल के इस आम चुनाव में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सामने एक ऐसे नेता की चुनौती है, जो कभी उनके अधीन सेना प्रमुख रह चुके हैं।

इन नाम हैं गादी आइजेनकॉट। 66 साल के आइजेनकॉट ने करीब 40 साल सेना में बिताए और अब राजनीति में नेतन्याहू के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी बन गए हैं। हालिया सर्वे में उनकी पार्टी बेंजामिन नेतन्याहू से आगे दिखाई दे रही है। ऐसे में सवाल है कि क्या नेतन्याहू सत्ता से बाहर हो जाएंगे और गादी पीएम बन पाएंगे।

चुनाव में एक अहम सवाल है कि गादी आइजेनकॉट कौन हैं, परिवार कहां से आया।

गादी आइजेनकॉट का जन्म इजरायल के तिबेरियास शहर में हुआ था। उनके माता पिता मोरक्को से आकर इस्त्राएल में बसे थे। गादी मध्य-पूर्व और उत्तरी अफ्रीकी मूल के यहूदी समुदाय से आते हैं। इस समुदाय का कोई व्यक्ति इस्त्राएल का प्रधानमंत्री नहीं बना है। गादी 1978 में इजरायली सेना की में गोलानी ब्रिगेड में भर्ती हुए। वह 2015 से 2019 तक सेना प्रमुख रहे। नेतन्याहू के प्रधानमंत्री रहते ही उन्हें यह जिम्मेदारी मिली थी। अक्टूबर 2023 में हमास के हमले के बाद नेतन्याहू की युद्ध संबंधी कैबिनेट में शामिल हुए। 2024 में युद्ध की स्पष्ट रणनीति नहीं होने का आरोप लगाकर अलग हो गए और याशार पार्टी बनाई।

सुरक्षा के मामले में दोनों की सोच में काफी समानताएं हैं। न्यू यॉर्क टाइम्स के मुताबिक, गादी पश्चिमी तट पर यहूदी बस्तियों के विस्तार और हिंसा को लेकर सैन्य कार्रवाई के साथ कूटनीति पर भी जोर देते हैं।

हालिया सर्वे में गादी की याशार को 120 सदस्यीय संसद में 20 से 23 सीटें मिलने का अनुमान है। कुछ सर्वे में वह नेतन्याहू से आगे है। इजरायल में जनता सीधे प्रधानमंत्री नहीं चुनती। फिलहाल किसी भी खेमे को स्पष्ट बहुमत मिलता नहीं दिख रहा है। ऐसे में छोटे दलों, खासकर अरब पार्टियों का समर्थन महत्वपूर्ण होगा।

130 किमी की रफ्तार से आ रही तबाही, बिजली गुल और हर तरफ मलबा, तूफान बोएलो से मचेगी तबाही?

लंदन, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन में तूफान 'बोएलो' ने मौसम का मिजाज बिगाड़ दिया है। स्कॉटलैंड, उत्तरी आयरलैंड और उत्तरी इंग्लैंड के कई इलाकों में तेज हवाओं और भारी बारिश को लेकर एम्बर वेदर वॉनिंग जारी की गई है। सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में हवा के झोंकों की रफ्तार करीब 130 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। अधिकारियों ने लोगों को यात्रा में भारी परेशानी और जान को खतरा होने की आशंका के प्रति आगाह किया है।

मौसम विभाग के मुताबिक, तेज हवाओं और बारिश का असर बढ़ने की आशंका है। स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के कुछ हिस्सों में एम्बर चेतावनी रविवार रात 9 बजे तक लागू रहेगी। पश्चिमी स्कॉटलैंड में सबसे तेज हवाओं का असर पहले देखने को मिला, जिसके बाद इनके रातभर पूर्व की ओर बढ़ने और रविवार तक जारी रहने का अनुमान है। उत्तरी आयरलैंड के कुछ हिस्सों में भी रविवार सुबह



10 बजे तक एम्बर चेतावनी लागू है। इसके अलावा, दक्षिण-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड, वेस्ट मिडलैंड्स और वेल्स में भारी बारिश को लेकर येल्ो वॉनिंग जारी की गई थी। उत्तरी इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के बड़े हिस्से में तेज हवाओं की येल्ो चेतावनी रविवार रात 9 बजे तक रहेगी, जबकि उत्तरी आयरलैंड में यह रविवार दोपहर 12 बजे तक लागू रहेगी। तूफान बोएलो दो दिनों में नाम दिया गया दूसरा तूफान है।

इससे पहले तूफान ऑस्ट्रेन ने दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड में बिजली आपूर्ति को प्रभावित किया

था। नेशनल ग्रिड के मुताबिक, तूफान शुरू होने के बाद से 1 लाख 24 हजार से ज्यादा घरों और अन्य परिसरों में बिजली बहाल की जा चुकी थी। हालांकि, शनिवार शाम तक सैकड़ों घर और कारोबार बिजली के बिना थे। उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड में शनिवार रात 2,000 से ज्यादा परिसरों की बिजली गुल थी। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि तेज हवाओं से बिजली कटीती, उड़ता मलबा, इमारतों और पेड़ों को नुकसान और यातायात में रुकावट आ सकती है। समुद्र में उठने वाली ऊंची लहरें भी जान के लिए खतरा पैदा कर सकती हैं।

मौसम विभाग के मुख्य पूर्वानुमानकर्ता जेसन केली ने लोगों से यात्रा और बिजली आपूर्ति में संभावित बाधाओं के लिए तैयार रहने को कहा है। उन्होंने बाहर रखी ढीली चीजों को सुरक्षित करने, यात्रा से पहले योजना बनाने और मौसम की ताजा चेतावनियों पर नजर रखने

का सलाह दी। खराब मौसम के कारण ब्रिटेन में वीकेड के कई कार्यक्रम रद्द कर दिए गए। मर्सिआइड में 'रिवर ऑफ लाइट' कार्यक्रम लगातार दूसरे दिन रद्द हुआ। नॉस्टली सफारी पार्क ने भी तेज हवाओं के कारण रविवार को बंद रहने की घोषणा की। उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के कई बाजार भी रद्द कर दिए गए, जिनमें सैलफोर्ड का क्वेसाइड मेकर्स मार्केट और चेसायर का मैकल्सफील्ड ट्रिकल मार्केट शामिल हैं। आयरलैंड में डबलिन एयरपोर्ट से आने-जाने वाली कई उड़ानें रद्द हुईं। स्ट्रेला लाइन, आयरिश फेरी और पी एंड ओ फेरी जैसी कंपनियों ने भी आयरिश सागर में कई फेरी सेवाएं रद्द कर दीं।

मौसम विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि बेहद जरूरी न होने पर बाहर निकलने से बचें। अगर बाहर जाना जरूरी हो, तो इमारतों और पेड़ों के बिल्कुल पास चलने या वहां रुककर शरण लेने से बचें।

जापान में सुबह-सुबह लगे भूकंप के झटके, दहशत में लोग

टोक्यो, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। जापान के बोनिन द्वीप समूह क्षेत्र में रविवार सुबह 6.5 तीव्रता के भूकंप के तेज झटके दर्ज किए गए। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) के अनुसार, इस भूकंप के बाद जान-माल के नुकसान या सुनामी की किसी चेतावनी से जुड़ी विस्तृत जानकारी तत्काल उपलब्ध नहीं हो सकी है। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने बताया कि टोक्यो से लगभग 1000 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व में बोनिन द्वीप समूह, जिसे ओगासावारा द्वीप समूह भी कहा जाता है, में 6.5 तीव्रता का भूकंप आया।

भूकंप का केंद्र समुद्र में 494 किलोमीटर की गहराई में था। प्रभावित क्षेत्रों के लिए सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई थी, और कोई भी भौतिक क्षति या हताहत होने की सूचना नहीं थी। भूकंप फिलीपीन और प्रशांत टेक्टोनिक प्लेटों के बीच भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में आया। दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित वनुआतु द्वीप समूह में भी रविवार सुबह भूकंप का झटका महसूस किया गया। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के अनुसार, वनुआतु में आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.16 मापी गई।

इटली में बेकाबू हुए प्रदर्शन, हिंसा की खबरों के बीच बोलीं मेलोनी- अव्यवस्था के लिए जगह नहीं



रोम, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। इटली में बढ़ती महंगाई, ईंधन की कीमतों और रक्षा बजट में बढ़ोतरी के खिलाफ प्रदर्शज प्रदर्शन जारी हैं। रोम, बोलोग्ना और ट्यूरिन समेत कई शहरों में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे। कुछ जगहों पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। हालात को काबू में करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस और पानी की बोझारों का इस्तेमाल किया। रोम में दोपहर प्रदर्शनकारी पियाजा डेला रिपब्लिका से युद्ध विरोधी मार्च निकालने के लिए रवाना हुए। शाम होते-होते शहर में स्थिति तनावपूर्ण हो गई और प्रदर्शनकारियों तथा पुलिस के बीच टकराव शुरू हो गया। भीड़ को हटाने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस छोड़ी और वॉटर कैनन का भी इस्तेमाल किया।

बोलोग्ना में भी प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई।

आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को मदद के लिए 17 कॉल मिलीं। इनमें से 6 लोगों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। ट्यूरिन में प्रदर्शनकारियों ने बढ़ते सैन्य खर्च और महंगे ईंधन के खिलाफ आवाज उठाई। यहां कुछ लोगों ने पुलिस पर बोटलें और पत्थर फेंके। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया। पिछले वीकेंड इटली के कई हिस्सों में प्रदर्शन हिंसक हो गए थे। खासकर मिलान में तोड़फोड़ और लूटपाट की घटनाएं सामने आई थीं। इसके बाद गृह मंत्री माटेओ पियान्टेदोसी ने अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने का आदेश दिया। बड़े शहरों और संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर पुलिस और सुरक्षा बलों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षाकर्मियों ने हिंसा और अव्यवस्था की कोशिशों के बीच नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का काम किया है। मेलोनी ने स्पष्ट किया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना नागरिकों का अधिकार है और इसे हमेशा सुरक्षित रखा जाना चाहिए। साथ ही आम लोगों को अपने शहरों में बिना डर के रहने और काम करने का अधिकार भी मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंसा फैलाने और सार्वजनिक व्यवस्था बिगाड़ने वालों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

पंजाब में पीआईटी-एनडीपीएस एक्ट लागू

गृह विभाग ने जारी की अधिसूचना, नशा तस्करों पर कसेगा शिकंजा अमृतसर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब में अब नशा तस्करों पर और सख्ती से नकेल कसी जा सकेगी। खूबे में नशा तस्करों पर अंकुश लगाने के लिए राज्य सरकार ने पीआईटी-एनडीपीएस एक्ट, 1988 लागू कर दिया है। नशा तस्करों और संदिग्ध लोगों को निवारक हिरासत (नजरबंदी) में रखने का प्रावधान किया गया है। इसके लिए पंजाब के गृह विभाग की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसके तहत पुलिस कमिश्नरों और पुलिस रेंज के प्रभारी आईजी रैंक या उससे ऊपर के अधिकारियों को अपने निर्धारित अधिकार क्षेत्र में कार्रवाई करने की शक्ति दी गई है। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि जिन पुलिस कमिश्नरेंट, रेंज और मुख्यालय इकाइयों में आईजी रैंक का अधिकारी उपलब्ध नहीं है, वहां छह वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को भी विशेष रूप से अधिकृत किया गया है। इनमें विशेष डीजीपी एएस राय, एडीजीपी गौतम चीमा, शिव वर्मा, कौस्तुभ शर्मा, नौनिहाल सिंह और आईजीपी एस। भूपति शामिल हैं।

इन अधिकारियों का अधिकार सड़क डीजीपी निर्धारित करेंगे। 20 अक्तूबर को अपने पंजाब दौरे के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नशे के खिलाफ कार्रवाई में इस कानून के इस्तेमाल का मुद्दा प्रमुखता से उठाया था। शाह ने सवाल किया था कि देश में पीआईटी-एनडीपीएस एक्ट के तहत 929 मामले दर्ज होने के बावजूद पंजाब में एक भी मामला दर्ज क्यों नहीं हुआ। अब पंजाब पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को अपने निर्धारित क्षेत्र में नशा तस्करों को निवारक हिरासत में रखने के संबंध में निर्णय लेने का अधिकार मिलेगा। इससे पहले इस प्रक्रिया में गृह सचिव की मंजूरी की जरूरत पड़ती थी। अब यह अधिकार वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दिया गया है।

‘बांग्लादेश में इस साल मनाई गई सबसे अच्छी दुर्गा पूजा’; हिंदुओं को खुश कर रहे तारिक रहमान

ढाका, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में इस साल दुर्गा पूजा धूमधाम से मनाई गई। यह बात वहां रहे कुछ हिंदू ही बता रहे हैं। बांग्लादेश के एक नागरिक सोहाग कुमार मंडल ने फेसबुक पोस्ट के जरिए अपना अनुभव साझा किया है। इसके लिए उन्होंने बांग्लादेश के शासन और प्रशासन की धन्यवाद कहा है। उन्होंने लिखा, हम ऐसा ही बांग्लादेश देखना चाहते हैं जहां हर नागरिक सम्मान, आदी और सुरक्षा के साथ अपनी आस्था मना सके। एक यादगार दुर्गा पूजा- धन्यवाद, बांग्लादेश! रिपोर्ट में सोहाग कुमार मंडल के हवाले से कहा कि बांग्लादेश में इस साल दुर्गा पूजा के दौरान हालात कुछ अलग थे। लगभग हर जगह काफी भीड़ थी और लोग खूब आनंद ले रहे थे। आपको बता दें कि भारत के पड़ोसी देश में हर साल दुर्गा पूजा के दौरान डर का माहौल रहता था।

बांग्लादेश में हिंदू-बौद्ध-ईसाई एकता परिषद के महासचिव मनिंद्र कुमार नाथ ने भी इसकी पुष्टि की है। उनका मानना है कि पिछले सालों के मुकाबले इस साल की दुर्गा पूजा बेहतर रही। उनके मुताबिक, इस साल दुर्गा पूजा की छुट्टियों की संख्या में बढ़ोतरी की गई, पूजा के लिए सरकार की तरफ से ज्यादा फंड दिया गया, सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गई और प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने पूरे

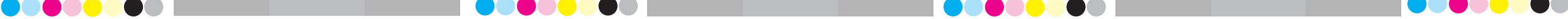
बांग्लादेश में अलग-अलग पूजा पंडालों का दौरा किया। आपको बता दें कि 2024 और 2025 में दुर्गा पूजा मोहम्मद यूनस के कार्यकाल में हुई थी। उस समय हिंसा की कम से कम 84 घटनाएं दर्ज की गई थीं। मूर्तियों को तोड़ा गया और उत्सव में बाधा डालने की कोशिशें की गईं। जब शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सत्ता में थी तब भी तोड़फोड़ और हमलों की घटनाएं अक्सर सामने आती थीं। तारिक रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के सत्ता में आने के बाद यह पहली दुर्गा पूजा थी। ऐसे में बहुत कुछ दांव पर लगा था और सरकार को भी खुद को साबित करना था। सरकार ने सुरक्षा के लिए तीन-स्तरीय व्यवस्था लागू की और भारी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया। बांग्लादेशी मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार, इस साल देश में दुर्गा पूजा के पंडालों की संख्या में लगभग 500 की बढ़ोतरी हुई थी। माना जाता है कि बांग्लादेशी हिंदू मुख्य रूप से अवामी लीग के वोटर हैं। जुलाई-अगस्त 2024 के विरोध-प्रदर्शनों के बाद पार्टी प्रमुख शेख हसीना को देश छोड़कर जाना पड़ा और अवामी लीग को चुनावों से बाहर कर दिया गया। ऐसे में इन वोटों को अपनी ओर आकर्षित करने का मौका है।

यूएन में भारत ने पाकिस्तान को घेरा: कहा- सेना ही असली हुक्मरान, सरकार के पास अपने फैसले लेने की हिम्मत नहीं

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को जमकर घेरा है। भारत ने कहा कि पाकिस्तान दुनिया के सामने भारत की छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है, जबकि उसे पहले अपने देश के हालात पर ध्यान देना चाहिए। भारत ने तंज कसते हुए कहा कि पाकिस्तान में सेना ही असली हुक्मरान है और वहां की सरकार में सेना के फैसलों के खिलाफ जाने की हिम्मत नहीं है। भारत ने यह भी सवाल उठाया कि अल्पसंख्यकों के अधिकारों की बात करने वाला पाकिस्तान अपने यहां के लोगों के साथ कैसा व्यवहार कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में शनिवार को अल्पसंख्यकों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रघू पुरी ने पाकिस्तान की आलोचना की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान भारत के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहा है और ऐसा करने अपने देश की समस्याओं से दुनिया का ध्यान हटाना चाहता है। पुरी ने कहा कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था कमजोर हालत में है। देश के कई हिस्सों में कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है और मानवाधिकारों के उल्लंघन की शिकायतें भी सामने आती रहती हैं। उन्होंने कहा कि खैबर



पख्तूनख्वा से लेकर बलूचिस्तान तक के हालात पर पाकिस्तान को ध्यान देना चाहिए। भारत ने पाकिस्तान की राजनीति में सेना के दखल का मुद्दा भी उठाया। रघू पुरी ने कहा कि पाकिस्तान में सेना का हित सबसे ऊपर है और वही देश की असली ताकत है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भारत पाकिस्तानी प्रतिनिधि की परेशानी समझ सकता है, क्योंकि भारत ने पाकिस्तान में सेना का हित सबसे ऊपर है और वही देश की असली ताकत है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भारत पाकिस्तानी प्रतिनिधि की परेशानी समझ सकता है, क्योंकि भारत ने पाकिस्तान में सेना का हित सबसे ऊपर है और वही देश की असली ताकत है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भारत पाकिस्तानी प्रतिनिधि की परेशानी समझ सकता है, क्योंकि भारत ने पाकिस्तान में सेना का हित सबसे ऊपर है और वही देश की असली ताकत है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भारत पाकिस्तानी प्रतिनिधि की परेशानी समझ सकता है, क्योंकि भारत ने पाकिस्तान में सेना का हित सबसे ऊपर है और वही देश की असली ताकत है।



स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 26 अक्टूबर - 2026

युद्ध के दौर में भारत की अग्निपरीक्षा

युद्ध अब केवल सीमाओं पर सैनिकों को तैनाती और हथियारों की मारक क्षमता तक सीमित नहीं रहा। आधुनिक तकनीक ने युद्ध की रणनीति, उसकी गति और परिणामों को बदल दिया है। एआई, ड्रोन, साइबर हमले, उपग्रह आधारित निगरानी और सटीक निशाना लगाने वाली प्रणालियां अब सैन्य शक्ति के महत्वपूर्ण आधार हैं। ऐसे में किसी देश की ताकत का आकलन केवल उसके सैनिकों और हथियारों की संख्या से नहीं किया जा सकता। असली प्रश्न यह है कि बदलती तकनीक को अपनाने और उसका प्रभावी इस्तेमाल करने में कौन कितना सक्षम है। भारत के लिए यह बदलाव अवसर भी है और गंभीर चुनौती भी। इस संदर्भ में चीन की बढ़ती सैन्य और तकनीकी क्षमता को नजरअंदाज करना बेमानी है। उसने अपनी सेना के आधुनिकीकरण, स्वचालित प्रणालियों, मिसाइलों, निगरानी नेटवर्क और साइबर क्षमताओं पर व्यापक निवेश किया है। उसकी रणनीति का महत्वपूर्ण पक्ष विभिन्न सैन्य प्रणालियों को एकीकृत करके सूचनाओं का तेजी से विश्लेषण करना और उसके आधार पर कार्रवाई करना है। भारत के सामने चुनौती केवल चीन के हथियारों की बराबरी करने की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था विकसित करने की है, जो किसी भी परिस्थिति में प्रभावी निर्णय और त्वरित प्रतिक्रियाओं सुनिश्चित कर सके। भारत-चीन सीमा पर डोकलाम और गलवान की घटनाओं ने स्पष्ट किया है कि सीमा विवाद केवल कूटनीतिक मसला नहीं, बल्कि निरंतर सैन्य सतर्कता की चुनौती है। अरुणाचल प्रदेश से लगे क्षेत्रों में चीन की गतिविधियां और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बदलती परिस्थितियां भारत के लिए विशेष महत्व रखती हैं। ऐसे में सीमावर्ती इलाकों में निगरानी, संचार और सैन्य पहुंच को मजबूत करना आवश्यक है। क्योंकि किसी भी रणनीतिक बदलाव का समय रहते आकलन करना भारत की सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। आधुनिक युद्ध में सूचना की भूमिका निर्णायक होती जा रही है। एआई बड़ी मात्रा में उपलब्ध आँकड़ों का विश्लेषण करके संभावित खतरों की पहचान और निर्णय प्रक्रिया को तेज कर सकता है। डोन दुर्गम क्षेत्रों में निगरानी के साथ लक्षित कार्रवाई में उपयोगी हैं, जबकि उपग्रह सैन्य गतिविधियों और सीमावर्ती हलचलों की जानकारी उपलब्ध कराते हैं। दूसरी ओर, साइबर हमले और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध संचार नेटवर्क, कमान व्यवस्था तथा महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को प्रभावित कर सकते हैं। भारत ने स्वदेशी रक्षा उत्पादन, मिसाइल तकनीक और आधुनिक सैन्य प्रणालियों के विकास में प्रगति की है। फिर भी आत्मनिर्भरता का लक्ष्य तभी साध्य होगा, जब देश अत्याधुनिक सेंसर, सेमीकंडक्टर, सुरक्षित संचार, एआई सॉफ्टवेयर और साइबर सुरक्षा जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों में भी अपनी क्षमता बढ़ाए। विदेशी तकनीक और उपकरणों पर अत्यधिक निर्भरता संकट के समय आपूर्ति बाधित होने का जोखिम पैदा कर सकती है। रक्षा अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों और निजी कंपनियों के बीच सहयोग बढ़ाकर इस निर्भरता को कम करना होगा। इसके साथ ही सीमावर्ती बुनियादी ढांचे की अगुदेखी भी नहीं की जा सकती। सड़कें, सुरंगें, हवाई पट्टियां और मजबूत संचार नेटवर्क ही सैनिकों तथा सैन्य उपकरणों को जरूरत के समय सही स्थान तक पहुंचाने में मदद करते हैं। सेना, वायुसेना और नौसेना के बीच बेहतर तालमेल तथा वास्तविक समय में सूचनाओं का आदान-प्रदान भी आवश्यक है। भारत को चीन की चुनौती का जवाब केवल हथियारों की दौड़ से नहीं, बल्कि दूरदर्शी नीति से देना होगा। रक्षा बजट का उपयोग प्रार्थमिकताओं के अनुसार हो, स्वदेशी तकनीक के विकास में तेजी आए और नई प्रणालियों को सेना में शामिल करने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी बने। स्पष्ट है कि भविष्य के युद्ध में बहुत उसी देश को मिलेगी, जो तकनीक, खुफिया जासूसी, सैन्य प्रशिक्षण और रणनीतिक निर्णयों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करेगा। भारत के लिए चुनौती केवल आज की सीमा सुरक्षित रखने की नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों के युद्धक्षेत्र के लिए तैयार होने की है। राष्ट्रीय सुरक्षा में दूरदर्शिता का कोई विकल्प नहीं होता, जो किसी भी संभावित चुनौती का प्रभावी सामना करने की क्षमता रखता है।

फ्रांस में जनाक्रोश व्यवस्था के सामने चुनौती

फ्रांस वर्तमान में एक अभूतपूर्व और भीषण जन आंदोलन का सामना कर रहा है, जिसने पूरे देश के सामाजिक और राजनीतिक ढांचे को हिलाकर रख दिया है।

देश के विभिन्न प्रमुख नगरों की सड़कों पर 4 लाख से अधिक नागरिक अपनी ही सरकार के विरुद्ध उतर आए हैं। कुछ श्रमिक संगठनों का यह दावा है कि प्रदर्शनकारियों की संख्या इससे भी कई अधिक है। इस विशाल जनसमूह और लगातार बढ़ती उग्रता को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने 70 हजार सुरक्षाकर्मियों को देश भर में तैनात किया है। ये सुरक्षा बल स्थिति पर काबू पाने के लिए जल तोपों और अश्रु गैस का निरंतर उपयोग कर रहे हैं, फिर भी हालात सामान्य होते हुए नहीं दिख रहे हैं। यह आंदोलन केवल एक साधारण विरोध नहीं है, बल्कि यह वर्षों से जमा हो रहे सामाजिक अस्तेोध का परिणाम है जो अब एक विशाल ज्वालामुखी का रूप ले चुका है।

इस व्यापक विरोध का मूल कारण देश की चरमराती शिक्षा व्यवस्था से जुड़ा है। आंदोलन की शुरुआत मुख्य रूप से विद्यालयों के छात्रों और शिक्षकों ने की थी। शिक्षा क्षेत्र में संसाधनों का भारी अभाव है और शिक्षकों के रिक्त पदों को लंबे समय से नहीं भरा जा रहा है। एक चौंकाने वाले आंकड़े के अनुसार शिक्षकों के अद्वयस्थ होने या उनके उपलब्ध न होने के कारण विद्यालयों में 1 करोड़ 50 लाख शिक्षण घंटे नष्ट हो गए हैं। इस स्थिति ने विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर क्षेत्रों से आर्थिक रूप से कमजोर क्षेत्रों के छात्रों के भविष्य पर गहरा संकट खड़ा कर दिया है। सरकार द्वारा शिक्षा कोष में की गई निरंतर कटौती ने इस आक्रोश को और अधिक भड़का दिया है, जिससे

युवाओं और उनके अभिभावकों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। शिक्षा के साथ ही देश में बढ़ती महंगाई और जीवन निर्वाह की बढ़ती लागत ने आम नागरिकों की कमर तोड़ दी है। देश

भर के श्रमिक, कर्मचारी और मजदूर अपने पारिश्रमिक में वृद्धि और बेहतर सेवानिवृत्ति लाभों की मांग को लेकर इस आंदोलन में कूद पड़े हैं। इस भीड़ में पीत वस्त्र धारण करने वाले वे आंदोलनकारी भी शामिल हो गए हैं, जो पहले भी सरकार की आर्थिक नीतियों के विरुद्ध लंबे समय तक बड़े प्रदर्शन कर चुके हैं। यह पूरा घनकाम वर्तमान राष्ट्र प्रमुख और उनकी सरकार के प्रति गहरे अविश्वास को दर्शाता है। जनता को लगता है कि सत्ता में बैठे लोग उनकी रोजमर्रा की आर्थिक कठिनाइयों और संघर्षों को पूरी तरह से अगुदेखा कर रहे हैं। शुरुआत में जो प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीकों से आरंभ हुए थे, उन्होंने बहुत ही कम समय में हिंसक रूप धारण कर लिया। कुछ उग्र और चरमपंथी समूहों ने सुरक्षाबलों पर पथराव किया और सार्वजनिक संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचाया। अब तक पूरे देश में 3 हजार से अधिक दुकानों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ और लूटपाट की हिंसक घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अराजक तत्वों ने सड़कों पर खड़े वाहनों को आग के हवाले कर दिया है। प्रशासन ने इस उपद्रव को रोकने के लिए कठोर कदम उठाए हैं और अब तक 1 हजार से अधिक उपद्रवीयों को हिरासत में लिया जा चुका है। सुरक्षा बलों को विशेष रूप से बख्तरबंद वाहनों और प्रतीत वायुयानों का भी सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

इस अस्थिरता का गहरा प्रभाव देश के सामान्य जनजीवन और पर्यटन व्यवस्था पर भी पड़ा है।

जिसकी भीड़ उसकी भैंस

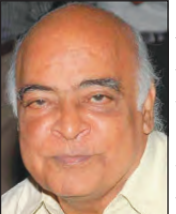


रघु ठाकुर

के छोटे से सिपाही या कर्मचारी का कर से लाखों रुपये का सोना और नगदी पकड़ी गई। बाद में खबर यह आई कि उसके पास अपार संपदा है, उन्हें गिरफ्तार किया गया, परंतु वे जेल में उन सब सुविधाओं के साथ रहेंगे जैसे वे कोई शासकीय मेहमान हों। इस प्रकार भ्रष्टाचार से कमाये करोड़ों रुपये की संपत्ति के जन्त होने की खबरें आये दिन मीडिया में पढ़ने और सुनने को मिल जाती है। भ्रष्टाचार के खिलाफ समाज इतना रसनशील और सहभागी बन चुका है कि ये खबरें किसी को उर्तेजित नहीं करती, बल्कि ऐसा लगता है कि अब भारी भ्रष्टाचार के समाचार लोगों को अपवाद छोड़कर उत्साहित और प्रेरित करते हैं। न केवल मग में बल्कि देश में सड़कों की स्थिति के पीछे भ्रष्टाचार की कहानी नज आती है। यहां तक कि बड़े-बड़े नेशनल हाईवे जो खरबों रुपये से बने हैं, उनके बनने के कुछ ही माह में वे उखड़ गये। दिल्ली से उत्तराखंड जाने वाले राजमार्ग में तो पहली ही बारिश में बड़े-बड़े गडबड़े हो गये। क्या उखड़ते राजमार्ग भ्रष्टाचार की कहानी नहीं कहते? पिछले वर्षों में देश में अनेकों पुलों के गिरने के समाचार आये, जो अरबों रुपये से बने थे और बनने के कुछ ही समय बाद गिर गये या बह गये तो देश में भ्रष्टाचार की असंलियत सामने आयेगी। 6 अक्टूबर 2026 के भास्कर अखबार में खबर छपी है कि राजधानी के पास बल्किर के स्कूल में टॉयलेट नहीं है, जबकि कई करोड़ रुपया स्वीड्रति

इन दिनों समाचार पत्रों को पढ़ना एक पीड़ादायक काम हो गया है। शायद ही कोई दिन ऐसा जाता है कि प्रदेश व देश में मुख्य पूरुट पर ऐसी घटनायें न छपती हों, जो मन को व्यथित और शासन प्रशासन की अक्षमता को सिद्ध न करती हो। अभी कुछ दिनों पूर्व आरटीओ के छोटे से सिपाही या कर्मचारी का कर से लाखों रुपये का सोना और नगदी पकड़ी गई। बाद में खबर यह आई कि उसके पास अपार संपदा है, उन्हें गिरफ्तार किया गया, परंतु वे जेल में उन सब सुविधाओं के साथ रहेंगे जैसे वे कोई शासकीय मेहमान हों। इस प्रकार भ्रष्टाचार से कमाये करोड़ों रुपये की संपत्ति के जन्त होने की खबरें आये दिन मीडिया में पढ़ने और सुनने को मिल जाती है। भ्रष्टाचार के खिलाफ समाज इतना रसनशील और सहभागी बन चुका है कि ये खबरें किसी को उर्तेजित नहीं करती, बल्कि ऐसा लगता है कि अब भारी भ्रष्टाचार के समाचार लोगों को अपवाद छोड़कर उत्साहित और प्रेरित करते हैं। न केवल मग में बल्कि देश में सड़कों की स्थिति के पीछे भ्रष्टाचार की कहानी नज आती है। यहां तक कि बड़े-बड़े नेशनल हाईवे जो खरबों रुपये से बने हैं, उनके बनने के कुछ ही माह में वे उखड़ गये। दिल्ली से उत्तराखंड जाने वाले राजमार्ग में तो पहली ही बारिश में बड़े-बड़े गडबड़े हो गये। क्या उखड़ते राजमार्ग भ्रष्टाचार की कहानी नहीं कहते? पिछले वर्षों में देश में अनेकों पुलों के गिरने के समाचार आये, जो अरबों रुपये से बने थे और बनने के कुछ ही समय बाद गिर गये या बह गये तो देश में भ्रष्टाचार की असंलियत सामने आयेगी। 6 अक्टूबर 2026 के भास्कर अखबार में खबर छपी है कि राजधानी के पास बल्किर के स्कूल में टॉयलेट नहीं है, जबकि कई करोड़ रुपया स्वीड्रति

ड्रैगन का पुराना दर्सा और भारत का नया संकल्प



अशोक भाटिया

24 अक्टूबर को भारत-तिब्बत सीमा पुलिस ने अ प ने र था प ना दिवस की 6 5 वीं व घ र्ां ठ मनाई है, जो भारत की संभ्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति उसके अडिग संकल्प को दर्शाती है। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईटीबीपी के जवाबज 'हिमवीरों' को बधाई देते हुए उनके असाधारण शौर्य और पराक्रम की सराहना की। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में विशेष रूप से रेखांकित किया कि आईटीबीपी के इन वीर जवानों ने हमेशा खुद को असाधारण वीरता के माध्यम से साबित किया है और हर चुनौती का सामना एक अनुकरणीय व अटूट दृढ़ संकल्प के साथ किया है। उन्होंने आगे कहा कि देश के प्रति इन जवानों की यह निस्वार्थ सेवा और सर्वोच्च बलिदान संपूर्ण राष्ट्र के लिए एक महान और अटूट प्रेरणा का स्रोत है। शून्य से भी कई डिग्री नीचे के हाड़ कपाने वाले तापमान, भयानक बर्फाले तूफानों और 18,000 फीट तक की अत्यंत दुर्गम चोटियों पर तैनात आईटीबीपी के ये हिमवीर आज चीन के दशकों पुराने विस्तारवादी ढर्रे के मुकाबले भारत की सामरिक आत्मनिर्भरता और अदम्य साहस की सबसे मजबूत अग्रिम दीवार बनकर खड़े हैं। यह वर्णगठ केवल एक विशिष्ट सुरक्षा बल के शौर्य का उत्सव नहीं है, बल्कि यह बीजिंग की भू-राजनीतिक चालाकियों के सामने नई दिल्ली के उस बदलते रक्षा प्रतिमान और नए रणनीतिक संकल्प की हुंकार है जो अब किसी भी प्रकार के बाहरी दबाव के आगे

चुटने टेकने को तैयार नहीं है। चीन की सामरिक संस्कृति हमेशा से 'पलामी स्लाइसिंग' यानी किरतों में पहलियों की जमीन हड़पने और द्विपक्षीय समझौतों को दरकिनार कर 'यथास्थिति को एकतरफा बदलने' के पुराने ढर्रे पर आधारित रही है। सन 1962 के धोखेबाज आक्रमण से लेकर 2020 के गलवान संघर्ष और उसके बाद की लंबी सैन्य तनातनी तक, बीजिंग का एक ही ढांंच रहा है कि कूटनीतिक मेज पर शांति का ढोंग रचाया जाए और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चुपके से सैन्य नुन्यादी ढांचे का विस्तार करके नया दावा ठोक दिया जाए। चीन की इस विस्तारवादी नीति में बड़े पैमाने पर सैनिकों का जमावड़ा करना, विवादित या बिना सीमांकन वाले क्षेत्रों में वंकर, पुन, हवाई पट्टियां बनाना और सीमावर्ती मॉडल गांव बसाकर स्थायी अतिक्रमण करना शामिल रहा है। चीन का पुराना ढांंच हमेशा इस धारणा पर काम करता था कि भारत कूटनीतिक बयानों और रक्षात्मक प्रतिक्रियाओं तक ही सीमित रहेगा, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस पुरानी और ऐतिहासिक हिचकिचाहट को पूरी तरह से त्याग दिया है। आज का भारत बीजिंग को उसी की सैन्य तैनाती कूटनीतिक भाषा में दोटक जवाब दे रहा है, जिसका सीधा संदेश है कि भारत शांति का प्रबल समर्थक है लेकिन अपनी क्षेत्रीय अखंडता और संभ्रभुता की कीमत पर किसी भी प्रकार का समझौता कभी नहीं करेगा। भारत का यह नया संकल्प सीमाओं पर केवल सैन्य तैनाती बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें एक अग्रतुपूर्व रणनीतिक आधुनिकीकरण शामिल है। भारत ने डाइबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी सड़क, जोजिला टनल और अटल टनल जैसी कई महत्वपूर्ण और हर

हो गया है। ग्वालियर में कुतों के परिवार नियोजन के नाम पर पैसा निकाल लिया गया। उनके ऑपरेशन के नाम पर जिन पशु चिकित्सकों का नाम दिया गया था वे न वहां पदस्थ थे, न उन्होंने एक भी कुत्ते का नियोजन किया था। परंतु ये सब भ्रष्टाचार की खबरें लोगों के मनो को नहीं हिलाती। ऐसा लगने लगा है कि लगभग हर व्यक्ति भ्रष्टाचार की तलाश में है और नये-नये मार्ग खोज रहा है।अपराधों की स्थिति भी ऐसी है कि प्रतिदिन देश के हर कोने में हत्या, डकैती, बलात्कार की खबरें छपती हैं। दो चार दिन मीडिया में यह खबरें रहती हैं, तब तक कोई नई घटना घट जाती है तो पुरानी घटना लोग भूल जाते हैं। मप्र के धार में एक पटाखा फैक्ट्री जो घर के अंदर चल रही थी, विस्फोट हुआ, मजदूर मारे गये। फैक्ट्री को चलाने वाले सत्तापक्ष के नेता थे और इसलिये कुछ दिनों बाद सब शांत हो गया। ऐसी ही घटना उसके बाद हरदा में हुई तथा भोपाल-इंदौर मार्ग पर हुई परंतु भ्रष्टाचार का पेट सुरक्षा के मुख से भी बड़ा है, जो हर अपराध को निगल लेता और पचा लेता है।

कितने ही स्कूलों की छतें गिरती हैं, छोटे-छोटे बच्चे दबकर मर जाते हैं। कुछ दिन राजनैतिक विलाप चलता है। सत्ता पक्ष कमेटी या आयोग गठित कर देता है। सख्त कार्यवाही की जायेगी, किसी को बख्शा नहीं जायेगा, ऐसे जुमलों के साथ समय निकल जाता है। प्रतिपक्ष के नेता घटनास्थल पर जाने की तीर्थ यात्रा करते हैं। मृतकों या परिजनो के साथ फोटो खिंचवले हैं और एक जुमला कहकर कि हम और हमारी पार्टी पंडितों के साथ है, अपनी इतिश्री मान लेते हैं। अगर इस पर कोई शोध हो कि देशभर में आजादी के बाद से कितनी ऐसी घटना घटित हुई और है जो कमेटियां बनाई गई है, उनकी रपट, उनकी सिफारिशें आज कहाँ दबी है, कितने अपराधी गिरफ्तार हुये हैं, तो इससे भयावह त्रासदी की असंलियत को जाना जा सकता है। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली की सड़कों पर और सरकारी जमीन पर अतिक्रमण हटाने

मौसम में चालू रहने वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को रिकॉर्ड गति से पूरा किया है, जिससे अब भारतीय सेना और आईटीबीपी के जवानों की सीमा तक पहुंच कुछ ही घंटों में संभव हो गई है। इसके साथ ही चीन के मॉडल गांवों के जवाब में भारत ने 'वाइडेंट विलेजेस प्रोग्राम' शुरू किया है, जिसके तहत सीमावर्ती गांवों में आधुनिक सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं ताकि वहां से जनसंख्यिकीय पलायन रूके और स्थानीय नागरिक देश की सुरक्षा की पहली अग्रिम पंक्ति के रूप में सुदृढ़ बने रहें। आर्थिक मोर्चे पर भी भारत ने चीनी ऐप्स पर प्रतिबंध लगाने और रणनीतिक क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के नियमों को कड़ा करके चीन पर अपनी निर्भरता को न्यूनतम करने का एक सशक्त चक्रव्यूह तैयार किया है। 1962 के भारत-चीन युद्ध के तुरंत बाद स्थापित किए गए विश विशिष्ट बल ने पिछले 65 वर्षों में काराकोरम दर्रे से लेकर अरुणाचल प्रदेश के जेचप ला तक फैले 3,488 किलोमीटर लंबे अत्यंत कठिन हिमालयी मोर्चे को रखवाली करते हुए शौर्य की जो अमिट इबारत लिखी है, वह अद्वितीय है। देश के गृह मंत्रालय के अनुसार आईटीबीपी की अधिकांश चीनी चौकियां 9,000 से लेकर 18,800 फीट की अत्यधिक ऊंचाइयों पर स्थित हैं, जहां सर्दियों में तापमान शून्य से 45 डिग्री सेल्सियस नीचे तक गिर जाता है। ऐसे प्रतिकूल वातावरण में भी बल का मूल मंत्र शौर्य, दृढ़ता, कर्मनिष्ठा और इन जवानों के भीतर देशभर की असिम ऊर्जा भरती है। गलवान और पैगोंग त्सो के गतिरोध के दौरान आईटीबीपी ने भारतीय सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के आक्रामक मं्सूबों को पूरी तरह से नाकाम कर दिया था। वर्तमान में

के निर्देश दिये, परंतु स्थिति जस की तस है। सुप्रीम कोर्ट ने धार्मिक और सार्वजनिक स्थानों पर ध्वनि की सीमा बांधने का उपदेश दिया, इसके बावजूद स्पीकरों की आवाज और बढ़ गयी। सुप्रीम कोर्ट ने दीपावली के दिन पटाखों पर रोक लगाई, अन्य वर्षों की तुलना में अधिक पटाखे चले। पिछले दिनों रहवासी इलाकों में यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने वाले रहवासियों ने दस्तावेज पेश किये परंतु सुप्रीम कोर्ट मौन रहा।

देश के न्याय पालिका की भूमिका ऐसा लगता है कि सरकार को बचाने और आम लोगों में एक झुठा विश्वास जगाने का जरिया बन गई। जब कोई बड़ी घटना घटती है जो मीडिया में चर्चित होती है तो उसके बाद कोई न्यायपालिका में याचिका दायर हो जाती है। कभी न्यायपालिका संज्ञान लेती है। कुछ माह सुनवाई होती है। उनकी गैर हाजिरी पर नोटिस वारंट जारी होते हैं, उन्हें कुछ कहकर यथावत बहाल कर दिया जाता है और फैसले के नाम पर लंबी चौड़ी गाइडलाइन जारी की जाती है। जिसके बाद शायद ही कोई अफसर उसे पढ़ता हो, वकील पढ़ते हो, पत्रकार पढ़ते हो और जनता भी कभी याद नहीं करती। गाइडलाइन भविष्य के लिये बनती है और घटना के अपराधी छूट जाते हैं। न्यायपालिका की इन गाइडलाइनों पर शायद ही कभी कोई अमल हुआ हो। इतना अवश्य होता है कि जब फिर कोई वैसी ही दूसरी घटना घटती है, तो न्यायपालिका को याद आती है। नौकरशाही उस गाइडलाइन की चर्चा करने लगती है। बड़े-बड़े मगरमच्छ जो समूची व्यवस्था को निगल रहे हैं, दोरा मुक्त हो जाते हैं और तंत्र की कोई छोटी मोटी मछली को गुनाहगर बताकर कुछ दंड या चेतावनी देकर कथा समाप्त हो जाती है। एक महत्वपूर्ण सवाल है कि न्यायपालिका, गाइडलाइन, आयोग, कमेटी या फिर मीडिया के माध्यम से मीडिया में छपने वाली टिप्पणियां क्यों करती है, क्या न्यायपालिका नहीं जानती कि टिप्पणियों का कोई

वैधानिक अर्थ नहीं है। जो अधिकारी सरकार के इशारे पर अपराध करते हैं और कराते हैं वे सरकार की नैय्या के खेबनहार और आँख के बाल बन जाते हैं। अपराध करने और कराने के लिये और फिर सरकार और तंत्र को बचाने के लिये उन्हें पदोन्नति मिलती है मलाईदार पद स्थान मिलता है। सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें पुनरु नियुक्ति मिलती है, उनके बच्चों को बड़े-बड़े स्थान मिलते हैं। अब तो हालात यह है कि सर्वोच्च न्यायालय के एक पद पाने के लिये न्यायिक और न्याय संस्था के दायित्व के सम्मान को भुलाकर सत्ता पक्ष के बचाव के लिये वह कवच बन जाते हैं। कितनी ही बड़ी घटना हो, प्रशासनिक असफलता हो, अब उसका दायित्व और जिम्मेदारी कोई नहीं लेता। आजादी के बाद दो तीन दशकों तक कम से कम इतनी शर्म तो थी कि केन्द्रीय मंत्री अपनी असफलता के लिये जिम्मेवारी स्वीकार करते थे और अपने मंत्री पद से त्याग पत्र दे देते थे, हालांकि यह त्याग पत्र देने की परंपरा एक प्रकार से नाटकीय राजनीति है । एक रेल दुर्घटना को लेकर स्व. लालबहादुर शास्त्री ने रेलमंत्री पद से इस्तीफा दिया था, वीपी सिंह ने उग्र के मुख्यमंत्री रहते डाकुओं के द्वारा उन्ने के भाई की हत्या के बाद यह कहकर इस्तीफा दिया कि मैं अपना दायित्व पूरा नहीं कर सका, परंतु कुछ दिन बाद स्व. लालबहादुर शास्त्री, प्रधानमंत्री बने और वीपी सिंह केंद्रीय मंत्री और फिर प्रधानमंत्री बने। अब यह प्रश्न तो उठता ही है कि यह कैसी नैतिकता है। आपने मंत्री पद से इस्तीफा दिया तो आपका प्रधानमंत्री बनना कैसे उचित सिद्ध होगा? परंतु भारत का मीडिया तो और भी महान है, उन्होंने स्व. शास्त्री जी और वीपी सिंह के इस्तीफा देने की नैतिकता को आदर्श बताकर प्रचारित किया। परंतु छोटे पद की असफलता के बाद बड़े पद की योग्यता कैसे हासिल की जाती है, यह समझ के परे है। और अब यह नैतिक परंपरा तो पिछले लगभग चार पांच दशकों से समाप्त हो चुकी है।

आत्मशुद्धि, सदाचार और नवजीवन का शाश्वत संदेश देती है वाल्मीकि जयंती

‘रामायण’ के रचयिता महर्षि वाल्मीकि के अनुपम संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिवचन अश्विन मास की पूर्णिमा के दिन महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई जाती है और इस वर्ष वाल्मीकि जयंती

26 अक्तूबर को मनाई जा रही है। मान्यता है कि महर्षि वाल्मीकि के सम्मान में उनकी जयंती रामायण काल से ही मनाई जा रही है। इस अवसर पर देशभर में कई प्रकार के सामाजिक तथा धार्मिक आयोजन किए जाते हैं। सनातन धर्म के प्रमुख ऋषियों में से एक महर्षि वाल्मीकि द्वारा संस्कृत भाषा में लिखी गई रामायण को सबसे प्राचीन माना जाता है और संस्कृत के प्रथम महाकाव्य ‘रामायण’ की रचना करने के कारण ही उन्हें ‘आदिकवि’ के नाम से भी जाना जाता है।

वाल्मीकि द्वारा लिखी गई मोक्षदायिनी रामायण आज भी समूचे विश्व में वेद तुल्य विख्यात है, जो 21 भाषाओं में उपलब्ध है और सनातन धर्म मानने वालों के लिए पूजनীয় है। रामायण ने देश को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में बांधने का बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया। राष्ट्र की अमूल्य निधि रामायण का एक-एक अक्षर अमरता का सूचक और महापाप का नाशक माना गया है। वाल्मीकि का रामायण महाकाव्य ज्ञान-विज्ञान, भाषा ज्ञान, ललित कला, ज्योतिष शास्त्र, आयुर्वेद, इतिहास और राजनीति का केन्द्रबिन्दु माना जाता है। यह महाकाव्य श्रीराम के जीवन के माध्यम से जीवन के सत्य और कर्तव्य से परिचित कराता है। रामायण में जिस प्रकार महर्षि वाल्मीकि ने कई स्थानों पर सूर्य, चंद्रमा तथा नक्षत्रों की सटीक गणना की है, उससे स्पष्ट है कि वे ऐसे परम जानी थे, जिन्हें ज्योतिष विद्या तथा खगोल शास्त्र का भी बहुत गहन ज्ञान था।

रामायण को रचने के लिए छह सौ मीटर का फासला चाहिए था। शंकर ने जैसे ही सिर उठाया, सफेद एलआईडी लाइट का एक अंधा कर देने वाला सैलाब उसकी आंखों में उतर गया। स्क्रीन पर एक अंतिम बीप हुई और हरा टिक लगा, ‘सत्यापन सफल। आपकी उपस्थिति दर्ज कर ली गई है।’ और उसी सेकेंड, लोहे के उस भारी दैत्य ने शंकर के वजूद को हवा में उड़ा दिया। हथौड़ा, लोहे की चाबियां और मोबाइल फोन गिट्ठियों पर बिखर गए। ट्रेन रुकी नहीं, वह अपने तय समय-सारिणी के गौरव को बचाते हुए राजधानी की ओर सरसरती हुई निकल गई।

सुबह के पांच बजे। जब सेक्शन इंजीनियर मुआयना करने पहुंचा, तो पटरियों के किनारे शंकर का टूटा हुआ चश्मा और खून से सनी लाल डीडी पड़ी थी। थोड़ी दूर पर शंकर का मोबाइल पड़ा था, जिसकी स्क्रीन चटक चुकी थी लेकिन वह अब भी जल रही थी।



डॉ सुरेश कुमार मिश्रा

ट्रैक की गश्त करने वाले हर कर्मचारी के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया था कि वह हर तीस मिनट पर पटरी के बीचों-बीच छोड़े होकर ऐप पर अपनी फोटो अपलोड करे, ताकि साबित हो सके कि वह सो नहीं रहा है। रहस्य और रोमांच इस बात का था कि किलोमीटर 312 के उस अंधेरे, पथरीले घुमाव पर क्या वह डिजिटल सिग्नल समय पर पकड़ में आएगा? पहाड़ी मोड़ पर कड़ाके की ठंड और घना कोहरा छाया हुआ था। अड़तालीस साल का शंकर अपनी भारी लोहे की किट, भारी हथौड़ा और टॉच संभाले पटरियों पर चल रहा था। उसका बदन पसीने से तर था। शंकर की मोबाइल स्क्रीन पर उल्टी गिनती चल रही थी। स्क्रीन पर गोल

लापरवाही के कारण दुर्घटना

चकरी घूम रही थी-‘कमजोर नेटवर्क! कृपया खुले स्थान पर जाएं।’ यार, तुमने कभी सोचा है कि जब कोई गरीब अपनी ईमानदारी साबित करने के लिए किसी मशीन के सामने गिट्ठियांझाता है, तो तकनीक कितनी अंधी हो जाती है? शंकर का वेतन मात्र कुछ सौ रुपये था, जिसमें से अगले महीने उसकी बेटी आरती की नर्सिंग कॉलेज की फीस जानी थी। अगर आज एक भी ‘रेड मार्क’ ऐप पर लग गया, तो पूरा हाजीरी भत्ता कट जाता। उसे पिछले साल वादा किया गया था कि गैमपैनी की जीपीएस वाला ‘रक्षक’ सुरक्षा बैंड दिया जाएगा, जो ट्रेन के आते ही कंपन करने लगता है। लेकिन उस सुरक्षा बैंड का ग्लोबल टेंडर पिछले अठारह महीनों से रेलवे बोर्ड की फाइलों में अटका पड़ा था क्योंकि दो विदेशी कंपनियों के बीच कमीशन का विवाद सुलझ नहीं पाया था। शंकर नेटवर्क की तलाश

में उस ऊंचे लोहे के पुल की तरफ बढ़ा, जहां मोबाइल का एक खंभा दिखता था। टाइमर पर सिर्फ चालीस सेकेंड बचे थे। शंकर ने दोनों पटरियों के बीच घेर जमाए। उसने कांपते हाथों से मोबाइल का फ्रंट कैमरा ऑन किया। टॉच की पोली रोशनी में उसने अपनी थकी हुई, झुर्रियों वाली सूत को स्क्रीन के चौकोर बॉक्स में फिट किया। उसने स्क्रीन पर उंगली दबाई। ठीक उसी पल, उस अंधेरे घुमाव से एक सौ तीस किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से नई सेमी-हाई-स्पीड सुपरफास्ट ट्रेन का इंजन बिजली की तरह कौंधा।

इंजन इतना आधुनिक और शांत था कि उसकी कोई भारी गड़गड़ाहट नहीं थी। शंकर की नजर मोबाइल स्क्रीन पर थी, जहां मैसेज चमक रहा था- ‘अपलोडिंग... 98%... 99%...’ लोको-पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक खींचे और एक भयानक, चीखता हुआ सायरन बजाया। लेकिन उस

रफ्तार को रुकने के लिए छह सौ मीटर का फासला चाहिए था। शंकर ने जैसे ही सिर उठाया, सफेद एलआईडी लाइट का एक अंधा कर देने वाला सैलाब उसकी आंखों में उतर गया। स्क्रीन पर एक अंतिम बीप हुई और हरा टिक लगा, ‘सत्यापन सफल। आपकी उपस्थिति दर्ज कर ली गई है।’ और उसी सेकेंड, लोहे के उस भारी दैत्य ने शंकर के वजूद को हवा में उड़ा दिया। हथौड़ा, लोहे की चाबियां और मोबाइल फोन गिट्ठियों पर बिखर गए। ट्रेन रुकी नहीं, वह अपने तय समय-सारिणी के गौरव को बचाते हुए राजधानी की ओर सरसरती हुई निकल गई।

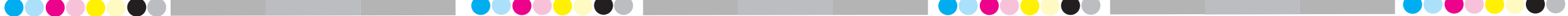
सुबह के पांच बजे। जब सेक्शन इंजीनियर मुआयना करने पहुंचा, तो पटरियों के किनारे शंकर का टूटा हुआ चश्मा और खून से सनी लाल डीडी पड़ी थी। थोड़ी दूर पर शंकर का मोबाइल पड़ा था, जिसकी स्क्रीन चटक चुकी थी लेकिन वह अब भी जल रही थी।

होंगे? इसका उत्तर जानने के लिए रत्नाकर नारद मुनि को पेड़ से बांधकर घर पहुंचे और एक-एक कर परिवार के सभी सदस्यों से पूछा कि मैं डाकू बनकर लोगों को लूटने का जो पाप 26 अक्तूबर को मनाई जा रही है। मान्यता है कि महर्षि वाल्मीकि के सम्मान में उनकी जयंती रामायण काल से ही मनाई जा रही है। इस अवसर पर देशभर में कई प्रकार के सामाजिक तथा धार्मिक आयोजन किए जाते हैं। सनातन धर्म के प्रमुख ऋषियों में से एक महर्षि वाल्मीकि द्वारा संस्कृत भाषा में लिखी गई रामायण को सबसे प्राचीन माना जाता है और संस्कृत के प्रथम महाकाव्य ‘रामायण’ की रचना करने के कारण ही उन्हें ‘आदिकवि’ के नाम से भी जाना जाता है।

वाल्मीकि द्वारा लिखी गई मोक्षदायिनी रामायण आज भी समूचे विश्व में वेद तुल्य विख्यात है, जो 21 भाषाओं में उपलब्ध है और सनातन धर्म मानने वालों के लिए पूजनীয় है। रामायण ने देश को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में बांधने का बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया। राष्ट्र की अमूल्य निधि रामायण का एक-एक अक्षर अमरता का सूचक और महापाप का नाशक माना गया है। वाल्मीकि का रामायण महाकाव्य ज्ञान-विज्ञान, भाषा ज्ञान, ललित कला, ज्योतिष शास्त्र, आयुर्वेद, इतिहास और राजनीति का केन्द्रबिन्दु माना जाता है। यह महाकाव्य श्रीराम के जीवन के माध्यम से जीवन के सत्य और कर्तव्य से परिचित कराता है। रामायण में जिस प्रकार महर्षि वाल्मीकि ने कई स्थानों पर सूर्य, चंद्रमा तथा नक्षत्रों की सटीक गणना की है, उससे स्पष्ट है कि वे ऐसे परम जानी थे, जिन्हें ज्योतिष विद्या तथा खगोल शास्त्र का भी बहुत गहन ज्ञान था।

रामायण को रचने के लिए छह सौ मीटर का फासला चाहिए था। शंकर ने जैसे ही सिर उठाया, सफेद एलआईडी लाइट का एक अंधा कर देने वाला सैलाब उसकी आंखों में उतर गया। स्क्रीन पर एक अंतिम बीप हुई और हरा टिक लगा, ‘सत्यापन सफल। आपकी उपस्थिति दर्ज कर ली गई है।’ और उसी सेकेंड, लोहे के उस भारी दैत्य ने शंकर के वजूद को हवा में उड़ा दिया। हथौड़ा, लोहे की चाबियां और मोबाइल फोन गिट्ठियों पर बिखर गए। ट्रेन रुकी नहीं, वह अपने तय समय-सारिणी के गौरव को बचाते हुए राजधानी की ओर सरसरती हुई निकल गई।

सुबह के पांच बजे। जब सेक्शन इंजीनियर मुआयना करने पहुंचा, तो पटरियों के किनारे शंकर का टूटा हुआ चश्मा और खून से सनी लाल डीडी पड़ी थी। थोड़ी दूर पर शंकर का मोबाइल पड़ा था, जिसकी स्क्रीन चटक चुकी थी लेकिन वह अब भी जल रही थी।



'बिग बॉस 20' से बाहर हुई मैरी कॉम

दूसरी लाइफलाइन के जाने के बाद खत्म हुआ सफर, फूट-फूटकर रोई आम्रपाली दुबे

'बिग बॉस 20' के इस वीकेंड का वार में सुपरस्टार सलमान खान की जगह रोहित शेट्टी नजर आए। सलमान खान ने पिछले हफ्ते ही ऐलान कर दिया था कि इस हफ्ते की कमान रोहित शेट्टी के हाथों में होगी। रोहित शेट्टी ने 'वीकेंड का वार' होस्ट किया और घरवालों को रियेलिटी चेक दिया। शो में इस हफ्ते रोहित शेट्टी को स्काउट ओपी और लवप्रीत गिल की क्लास लगाते देखा गया। वहीं इसी एपिसोड में उन्होंने उस नाम का भी ऐलान किया, जिनका शो से सफर खत्म हो गया। रोहित शेट्टी ने बताया कि दोनों लाइफलाइन के जाने के चलते मैरी कॉम शो से बाहर हो गई हैं और इस ऐलान ने सभी घरवालों को हैरान कर दिया। मैरी कॉम के एक्विशन से आम्रपाली दुबे खासी इमोशनल हो गई और रोने लगीं।

शो से बाहर हुई मैरी कॉम

रोहित शेट्टी ने जैसे ही बताया कि मैरी कॉम कम वोट्स के चलते शो से बाहर हो गई हैं तो सभी हैरान रह गए। वहीं मैरी कॉम ने इस शो का हिस्सा बनने को लेकर आभार व्यक्त किया और कहा- 'मैं इतने दिन खेल पाई, इतना एक्सपीरियंस मिला। बहुत अच्छा लगा। उम्मीद करती हूं ये सब मुझे याद करेगा। पर्सनैलिटीज दिखाकर आना है। रिंग में किसी को नहीं छोड़ूंगी।' मैरी कॉम के एलिमिनेशन से जहां बाकि के घरवाले मायूस हो गए तो वहीं आम्रपाली दुबे फूट-फूटकर रोने लगीं। घरवालों ने 'यू आए ए चैंपियन' गाते हुए मैरी कॉम को फेयरवेल दिया, जिसे सुनकर वह हंसने लगीं। इस हफ्ते घर से बेघर होने के लिए नॉमिनेटेड सदस्यों की बात करें तो आम्रपाली दुबे, मनीष गोयल, अरिश्फा खान, कुशल तंवर उर्फ गुल्लू, लव गिल और मैरी कॉम घर से बेघर होने के लिए नॉमिनेट थे।

वाइल्डकार्ड मनीष गोयल को झटका

एक तरफ जहां मैरी कॉम शो से बाहर हो गई तो दूसरी तरफ बतौर



वाइल्डकार्ड एंट्री लेने वाले टीवी एक्टर मनीष गोयल को भी तगड़ा झटका लगा है। मैरी जहां सबसे कम वोट्स मिलने के चलते शो से बाहर हो गई तो वहीं मनीष गोयल उनके साथ वॉटम 2 में थे, जिसके चलते उन्होंने अपनी एक लाइफलाइन गंवा दी। यानी अब उनके पास एक ही लाइफलाइन बची है। मनीष ने 2 हफ्ते पहले ही बतौर वाइल्डकार्ड शो में एंट्री ली थी, ऐसे में वॉटम 2 में नाम आना उनके लिए काफी शॉकिंग था। बता दें, मनीष गोयल के साथ नकुल दुल ने भी शो में बतौर वाइल्डकार्ड एंट्री ली थी, जो गुल्लू के साथ हाथापाई करने के बाद शो से बाहर हो गए थे।

लोग भ्रम में रहते हैं



फीमेल लीड फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर ना चलने पर राधिका आप्टे ने क्या कहा?

बॉलिवुड एक्ट्रेस राधिका आप्टे के अभिनय की खूब सराहना हुई है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी उनकी परफॉर्मेंस को सराहा जाता है। कुछ फिल्मों में वे लीड रोल्स भी कर चुकी हैं। लेकिन बॉक्स ऑफिस पर अपनी फिल्मों के ना चलने से वे नाखुश हैं। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान इसपर बात की है। उनका ऐसा मानना है कि अगर कुछ एक्ट्रेस को छोड़ दिया जाए तो फिर महिलाओं को लीड रोल में बॉक्स ऑफिस पर परफॉर्म करने के लिए काफी पापड़ बेलने पड़ते हैं। राधिका के मुताबिक दीपिका और आलिया भट्ट की फिल्मों को छोड़ दिया जाए तो बॉक्स ऑफिस पर फीमेल लीड की फिल्मों को दर्शक वैसी तवज्जो नहीं देते हैं। एक्ट्रेस ने इसकी वजह भी बताई है।

राधिका आप्टे ने क्या कहा?

बॉलीवुड एक्ट्रेस राधिका आप्टे ने कहा कि आज के दौर में भी बॉक्स ऑफिस पर किसी फीमेल लीड फिल्म का चलना मुश्किल होता है। ऐसी फिल्मों को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। अगर फीमेल लीड मूवीज में आलिया भट्ट या दीपिका पादुकोण जैसे स्टार्स नहीं हैं तो फिर ऐसी फिल्मों को लेकर दर्शकों के मन में भ्रम रहता है। भले ही वो फिल्म कितनी ही अच्छी क्यों ना हो और भले ही अभिनय की तरीफ ही क्यों ना हो रही हो। लेकिन बॉक्स ऑफिस पर नतीजा संतोषजनक नहीं आ पाता है। इसलिए ऐसी फिल्मों में मेल एक्टर्स को कास्ट करना जरूरी पड़ जाता है ताकि लोगों के मन में फिल्म को लेकर उत्साह पैदा हो।

किन फिल्मों का हिस्सा हैं राधिका?

राधिका आप्टे ने बताया कि वे किसी प्लेटफॉर्म का मोह नहीं रखती हैं। चाहे थियेटर हो या फिर ओटीटी बस वे चाहती हैं कि उनकी फिल्में किसी तरह ऑडियंस तक पहुंचें और वे लोगों को एंटरटेन कर सकें। राधिका की कई सारी फिल्में और सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आई हैं और पसंद की गई हैं। अब वे कीर्ति सुरेश की फिल्म अक्का में नजर आएंगी। ये एक सीरीज होगी जो 30 अक्टूबर 2026 को रिलीज की जाएगी। इसके पहले उनकी फिल्म सिस्टर्स मिडनाइट साल 2025 में आई थी। इसकी चर्चा विदेशों तक हुई थी।



हाल ही में उत्तराखंड में एक म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान दिग्गज गायक दलेर मेंहदी के साथ बदसलूकी का मामला सामने आया था, जो अभी तक ठंडा नहीं हुआ है। अब ऐसा ही कुछ राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता गायिका शिल्पा राव के साथ हुआ है। मुंबई में एक लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट की परफॉर्मेंस के बीच शिल्पा का माइक बंद कर दिया गया और वह स्टेज पर खड़ी रहीं। सिंगर ने इस मामले को लेकर सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया साझा की है। पूरा मामला क्या है, हाल ही में शिल्पा राव मुंबई के जियो वर्ल्ड गार्डन में आयोजित

शेफ दामू : शेफ दामोदरन का हुआ निधन

72 की उम्र में ली आखिरी सांस; गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है नाम

मशहूर शेफ और टेलीविजन हस्ती डॉ। के। दामोदरन का आज निधन हो गया है। वह 72 वर्ष के थे। उन्हें 'शेफ दामू' के नाम से जाना जाता था। शेफ दामू तमिल टेलीविजन पर अपने कुकिंग शो के जरिए घर-घर में पहचाने गए। 3 सितंबर 1954 को तमिलनाडु में जन्मे दामोदरन को खाना पकाने का ऐसा शौक था, जो आगे चलकर हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में एक



बेहतरीन करियर में बदल गया। दामोदरन ने 2004 में मद्रास विश्वविद्यालय से होटल मैनेजमेंट और कैटरिंग टेक्नोलॉजी में पीएचडी की डिग्री हासिल की। शेफ दामू तमिल टेलीविजन पर अपने कुकिंग शो के जरिए घर-घर में पहचाने गए। पकवानों की विधि को आसान तरीके से समझाने की उनकी खूबी ने इस कला को दर्शकों तक पहुंचाने में मदद की।

'हम हिंदू हैं, यहां तलाक नहीं होता', कोमल रानी स्वर्णकार संग अफेयर के आरोपों पर खुलकर बोले गोविंदा

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा न सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि अपने डांस के लिए जाने जाते हैं। अपने करियर में गोविंदा ने कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। गोविंदा ने एक्शन से लेकर कॉमेडी और विलेन तक के रोल को पदे पर जिया है। प्रोफेशनल लाइफ के साथ गोविंदा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। काफी वक्त गोविंदा और सुनीता आहूजा अपनी शादीशुदा जिंदगी में आई दरार को लेकर खबरों में हैं। सुनीता ने गोविंदा के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर होने का कई बार दावा किया। हालांकि, गोविंदा ने इसे गलत बताया। इसी बीच अब गोविंदा ने अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में इन सभी बातों का खुलकर जवाब दिया। बॉलीवुड के हिरो नंबर 1 यानी कि गोविंदा ने अपना इंटरव्यू दिया। इस दौरान गोविंदा ने अपनी पत्नी सुनीता संग अपने रिश्ते के साथ-साथ एक्ट्रेस कोमल रानी स्वर्णकार संग अफेयर के आरोपों पर खुलकर बात की। कोमल, गोविंदा की फिल्म 'रूपा' में भी नजर आने वाले हैं। इंटरव्यू में गोविंदा ने कोमल रानी संग अपने एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के आरोपों के साथ ही सुनीता आहूजा के अलग रहने के फैसले और तलाक पर चुप्पी तोड़ी है। गोविंदा ने बताया कि उनकी पत्नी सुनीता जो भी कर रही हैं वो अपने बच्चों के लिए कर रही हैं। सुनीता को अपना पहला प्यार भी बताते हुए कहा कि प्यार कोई खेल नहीं होता है। उन्होंने उनका घर तोड़ने का आरोप किसी तीसरी पर्सन पर लगाया हालांकि, उन्होंने इस दौरान किसी का नाम नहीं लिया। एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के सवाल का जवाब देते हुए गोविंदा ने कहा, 'समय।।। वो समाज के सामने वो पर्दा कभी नहीं उठाता कि लोग सारी दुनिया के सामने लज्जित हो जाएं। सच ये है कि मैं 8-9 साल पहले किसी से कह दिया था कि ऐसा होगा और मैं ऐसे दौर से गुजर रहा होऊंगा और इसके प्रभाव के अंदर हम सब आ जाएंगे ऐसा किसी ने लिखा है तो ये होकर रहेगा, जिसने लिखा है वो साधारण नहीं है।'

साई दुर्गा तेज: फिल्म में 'कांतारा' फेम अभिनेत्री

साई दुर्गा तेज (साई दुर्गा तेज) का एक और दिलचस्प प्रोजेक्ट सामने आया है। इस फिल्म का निर्देशन तेज ककुमानु कर रहे हैं और इसे अनिल सुनकारा प्रोड्यूस कर रहे हैं। हाल ही में मेकर्स ने इस फिल्म की घोषणा की है। इस फिल्म से जुड़ी एक खबर इंटरनेट पर काफी वायरल हो रही है। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म होगी, जिसकी कहानी जंगल की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसमें जंगल के माहौल और वहां की स्थानीय परिस्थितियों के साथ-साथ कई एक्शन सीन भी देखने को मिलेंगे। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में विजुअल इफेक्ट्स (वीएफएक्स) पर काफी जोर दिया जाएगा। लेकिन, इस फिल्म से जुड़ी एक और खबर भी इंटरनेट पर चर्चा का विषय बनी हुई है।

'कांतारा' फेम अभिनेत्री

फिल्म 'कांतारा' से देशभर में पहचान बनाने वाली सप्तमी गौड़ा को इस फिल्म में मुख्य अभिनेत्री (हीरोइन) के तौर पर चुने जाने की चर्चा है। हालांकि, मेकर्स की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। अगर यह खबर सच होती है, तो यह उनके करियर की एक बड़ी फिल्म साबित हो सकती है। 'तमुमुदी' के बाद, तेलुगु सिनेमा में यह सप्तमी की दूसरी फिल्म होगी। फिल्म के अन्य कलाकारों और तकनीकी टीम के बारे में अभी जानकारी आना बाकी है।

इस महीने के अंत से शूटिंग शुरू!

फिलहाल फिल्म का प्री-प्रोडक्शन काम चल रहा है। ऐसी जानकारी है कि इस महीने के अंत से शूटिंग शुरू करने की तैयारी है। जल्द ही शूटिंग शेड्यूल और लोकेशन को लेकर स्थिति साफ हो सकती है। वहीं, साई दुर्गा तेज की फिल्म 'संवराल अति गट्टू' का पोस्ट-प्रोडक्शन काम चल रहा है। ऐसा लगता है कि इस फिल्म को संस्कारित के मौके पर दर्शकों के सामने पेश करने की योजना है।

दलेर मेंहदी के बाद मंच पर हुआ शिल्पा राव का अपमान

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता सिंगर का छलका दर्द

बॉलीवुड म्यूजिक प्रोजेक्ट (बीएमपी) के 10वें एडिशन में परफॉर्मेंस करने पहुंची। उन्होंने अपनी मधुर आवाज में गानों का गाया, जिस पर मौके पर मौजूद दर्शक एन्जॉय करते नजर आए। लेकिन मामला तब कंट्रोवर्सी में बदल गया, जब परफॉर्मेंस के बीच में शिल्पा का माइक बंद कर दिया गया और उन्हें फैंस से बात करने या ठीक से अलविदा कहना का मौका भी नहीं दिया गया। इसके तुरंत बाद दूसरे गायक की परफॉर्मेंस को जारी कर दिया गया। बताया जा रहा है कि इस म्यूजिक इवेंट को दीपक चौधरी द्वारा प्रोड्यूस किया गया था और अब सोशल मीडिया पर ऑर्गेनाइजर के खिलाफ गुस्सा फूट पड़ा है। गायिका को इस तरह से अपमानित किया जाना लोगों को रास नहीं आ रहा है।

सामने आया शिल्पा राव का रिएक्शन

71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में जीत हासिल करने वाली शिल्पा राव ने इस पूरे मामले को लेकर अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर पहली प्रतिक्रिया साझा की है और पोस्ट शेयर कर लिखा है मुंबई, आज रात मेरे दिल का एक छोटा सा टुकड़ा टूट गया। इतनी खूबसूरत चीज हमसे इस तरह छिन लेना बहुत दुख देता है। लेकिन जब म्यूजिक बंद हो गया, तब भी तुम नहीं रुके। जिस तरह तुम मेरा नाम पुकारते रहे, तुम्हारी आवाज में प्यार। मैं यह सब महसूस कर सकता था। आज रात की हमारी कहानी अधूरी रह गई। मैं आप सब से वादा करती, मैं जल्द ही वापस आऊंगी। मुंबई, मैं तुमसे हमेशा-हमेशा प्यार करती रहूंगी। आलम ये है कि अब शिल्पा का ये भावुक संदेश सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है और तमाम फैंस उन्हें सपोर्ट कर रहे हैं।

आयोजकों ने मांगी माफी

शिल्पा राव जैसी बड़ी कलाकार की गरिमा के साथ अनुचित व्यवहार करने के बाद अब बीएमपी के आयोजकों ने माफी मांगी है और अपनी गलती स्वीकारी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर बयान जारी करते हुए लिखा है- इस मामले को लेकर हम दिल से माफी मांगते हैं। बीएमपी (बीएमपी) उद्देश्य हमेशा से यही रहा है कि वे अपने कलाकारों और उनके प्रशंसकों, दोनों को एक बेहतरीन लाइव म्यूजिक अनुभव दें। सबसे अहम बात ये है कि हम शिल्पा राव का बहुत सम्मान करते हैं। हम उनके शानदार करियर, उम्दा कलाकारी और म्यूजिक इंडस्ट्री पर उनके गहरे प्रभाव को दिल से कद्र करते हैं। उन्हें हमारे इस इवेंट में शामिल करना हमारे लिए गर्व की बात रही।

आदित्य रॉय कपूर संग पहली बार रोमांस करती नजर आएंगी तारा सुतारिया



लंबे समय से इस तरह की खबर आ रही थी कि आदित्य रॉय कपूर बहुत जल्द मिलाप जवेरी के साथ उनकी अगली फिल्म में काम कर रहे हैं। हालांकि लीडिंग एक्ट्रेस की खोज जारी थी और अब मेकर्स फैंस के लिए तगड़ा प्लान बनाकर बैठे हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक मेकर्स ने तारा सुतारिया को फिल्म के लिए फाइनल कर लिया है। ये एक म्यूजिकल और इंटेंस रोमांटिक मूवी होगी जिसका अभी के लिए 'तुम ही आना' नाम रखा गया है। 'तुम ही आना' नाम निर्देशक मिलाप मिलन जवेरी की 2019 की फिल्म 'मरजावा' के उसी नाम वाले सुपरहिट रोमांटिक गाने से लिया गया है। इसमें तारा सुतारिया भी थीं। इस मूवी के जरिए आदित्य और तारा पहली बार एक साथ स्क्रीन पर नजर आएंगे। भूषण कुमार द्वारा प्रोड्यूस की जा रही इस फिल्म को एक रॉ, पैशनट और हाई-ऑक्टेन लव स्टोरी बताया जा रहा है। फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर में शुरू होने की उम्मीद है। इसे 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

हुकुम रिलोडेड: सिंगापुर के कस्टम्स चीफ पर चढ़ा रजनीकांत का खुमार, 'जेलर 2' के गाने पर बनाया वीडियो



सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' का क्रेज सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी देखने को मिल रहा है। फिल्म के गाने 'हुकुम रिलोडेड' पर लगातार वीडियो बनाए जा रहे हैं। अब सिंगापुर कस्टम्स चीफ भी इस ट्रेंड में शामिल हो गए हैं। उन्होंने अपने साथियों के साथ रजनीकांत के अंदाज में फिल्मी एंट्री की है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में है। सिंगापुर कस्टम्स के चीफ के वीडियो में देखने को मिला कि वह जेल की कोठरियों के बीच से गुजरते हुए रजनीकांत के अंदाज में एंट्री करते दिखाई दे रहे हैं। बैकग्राउंड में 'जेलर 2' का गाना 'हुकुम रिलोडेड' बज रहा है। कुछ देर बाद उनके साथी अधिकारी भी इस फिल्मी एंट्री में शामिल हो जाते हैं। वीडियो के आखिर में एक दिलचस्प मैसेज भी दिया गया है, जिसमें लिखा है कि एंट्री भले ही फिल्मी है, लेकिन कस्टम्स का काम असली है। रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' का गाना 'हुकुम रिलोडेड' इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है। इस गाने को मशहूर म्यूजिक कंपोजर अनिरुद्ध रविचंद्र ने तैयार किया है। यह साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म 'जेलर' के लोकप्रिय गाने 'हुकुम- थलाइवर अलप्पारा' का नया वर्जन है। नए गाने में पुराने गाने की दमदार धुन और रजनीकांत के खास अंदाज को बरकरार रखा गया है। इसमें वही म्यूजिक और बिगुल जैसी आवाज सुनाई देती है, जो रजनीकांत की स्क्रीन पर एंट्री को और दमदार बनाती है। इस गाने पर सोशल मीडिया यूजर्स लगातार डांस और एंट्री वीडियो बना रहे हैं।

MARUTI SUZUKI

NEXA

EXPERIENCE
A NEW DAWN OF
ELECTRIC MOBILITY.



NOW WITH
FREE
HOME CHARGER

@VITARA
India goes **@electric**

 543 km RANGE*	BaaS price ₹10.99 LAKH** Battery EMI @ ₹3.99/km	₹80 000* WORTH OF BENEFITS ₹30 000 Exchange Bonus + Free Home Charger Worth ₹50 000	NEXA @edge <table><tr><td>60% ASSURED BUYBACK AFTER 3 YEARS</td><td>8 YEARS WARRANTY • BATTERY: 8 YEARS • VEHICLE: 8+5(PAID) YEARS</td></tr></table>	60% ASSURED BUYBACK AFTER 3 YEARS	8 YEARS WARRANTY • BATTERY: 8 YEARS • VEHICLE: 8+5(PAID) YEARS	 SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU	 E-BOOK TODAY @ WWW.NEXAEXPERIENCE.COM
60% ASSURED BUYBACK AFTER 3 YEARS	8 YEARS WARRANTY • BATTERY: 8 YEARS • VEHICLE: 8+5(PAID) YEARS						

Creative Visualisation. Images used are for illustration purposes only. Applicable T&C available at the nearest dealership. *543 km range: Certified range; actual results may vary by driving conditions and usage. Assured buyback plan is available on payment basis with the option of 3 years/45 000 km or 4 years/60 000 km ownership plans (whichever is earlier). The program is offered through an insurance company. e VITARA comes with standard warranty of 3 years or 1 00 000 km (whichever is earlier) with an option of extending the same on payment basis to 5 years or 1 40 000 km (whichever is earlier), and service activated coverage for 6th to 8th year for EV related components. *Offers and their related terms may vary, are subject to availability of stock, and are valid for a limited period. Maruti Suzuki reserves the right to modify, withdraw or discontinue any offer at any time without prior notice. **₹10.99 lakh (ex-showroom) price for e VITARA Delta. Battery EMI: ₹3.99/km (subject to applicable financier terms). Taxes and other applicable statutory charges are extra.